

Daily सच के हक में...

Scarlet House...

Ranchi ● Thursday, 16 January 2025 ● Year: 03 ● Issue: 04 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

: 76,724.08 निफ्टी 23,213.20

7,520 चांदी 100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS नहीं रहे जाने-माने अभिनेता आर. विजय कुमार

NEW DELHI : बुधवार को कन्नड़ भाषा के जाने-माने अभिनेता आर. विजय कुमार का



आर .विजय कुमार को उनके रंगमंच नाम सारिगामा विजी के नाम से भी जाना जाता था। वह 77 वर्ष के थे। आर. विजय कमार के बेटे रोहित ने बताया कि उनके पिता फेफडे में संक्रमण की समस्या से पीडित थे और उनका मल्लेश्वरम स्थित मणिपाल अस्पताल में डलाज चल रहा था। उन्होंने कहा, जब वह बीमार पड़े तो हमने सोचा कि यह मौसमी संक्रमण है। लेकिन, पिछले सात दिनों में स्थिति बिगड़ती चली गई और आज सुबह करीब साढ़े नौ बजे उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया जिसके चलते उनकी मृत्यु हो गई। विजी ने 1975 में कन्नड़ फिल्म बेलुवलदा मदिलल्ली में बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरूआत की थी।

वीमेंस इंडिया ने आयरलैंड को 304 रनों से हराया

NEW DELHI : बुधवार को भारतीय महिला टीम ने राजकोट मे आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 304 रनों से जीता। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। टीम के रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड २४९ रन का था, जब टीम ने 2017 में आयरलैंड को ही हराया था। टीम ने इस मैच में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर रिकॉर्ड ४३५ रन बनाए। तीन दिन पहले भारत ने आयरलैंड के ही खिलाफ 370 रन बनाए थे। यह वीमेंस वनडे क्रिकेट का चौथा हाईएस्ट स्कोर है। हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम है। कीवी टीम ने 2018 में आयरलैंड के ही खिलाफ 491 रन बनाए थे। उधर, कप्तान स्मृति मधाना ने 70 गेंद्र में शतक लगाया। वे भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वालीं महिला क्रिकेटर बन गई हैं। स्मृति ने 80 गेंदों में 135 रनों की पारी खेली।

चार कुख्यात नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

NARAYANPUR : बुधवार को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 14 साल पहले सुकमा में हुए नक्सली हमले में 76 जवानों की शहाद की घटना में शामिल रहे चार कुख्यात नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराने में सफलता प्राप्त की है। चार नक्सलियों पर कुल ३२ लाख का इनाम था। इस दौरान मौजूद अधिकारियों ने आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि के तौर पर 25-25 हजार रुपये के चेक भी सौंपे। सुकमा कांड में शामिल रहे पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सली अरब उर्फ कमलेश नेलनार क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों में पिछले 8 सालों से आतंक का पर्याय रहा।

दायर चार्जशीट को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाए सीबीआई : हाईकोर्ट

मंगलवार को झारखंड हाई कोर्ट में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई से जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की पीआईएल यानी जनहित याचिका की सुनवाई हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर

PHOTON NEWS RANCHI:

चार्जशीट को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने

अगली सुनवाई पांच फरवरी तय की है। पिछली सुनवाई में खंडपीट ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 और आरसी 6/2012 के अनुसंधान की

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा मामले में अदालत ने जांच एजेंसी को दिया निर्देश अब ५ फरवरी को सुनवाई, २०१२ में कोर्ट ने सीबीआई को दिया था जांच करने का आदेश



• प्रथम और द्वितीय सिविल सर्विस एवजाम में गड़बड़ी से जुड़ा मामला

• बुद्धदेव उरांव ने दाखिल की है जनहित याचिका • रांची में सीबीआई की अदालत में दाखिल हो चुका है आरोप पत्र

प्रथम परीक्षा में ३७ आरोपी

बता दें कि जेपीएससी प्रथम परीक्षा गडबडी मामले में 4 मई 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ दिलीप प्रसाद, वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद. सदस्य राधा गोविंद नागेश, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह

समेत ३७ लोगों को आरोपित बनाया था। इनके अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेन, कुंवर सिंह पाहन, ज्योति कुमारी झा, अलका कुमारी, मोहनलाल मरांडी, रॉम नारायण सिंह, सुदर्शन मुर्मू, जेम्स सुरीन, जितेंद्र मुंडा, पूनम कच्छप, राजीव कुमार, संजीव कुमार, अनंत कुमार, परमेश्वर मुंडा, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण एवं विजय वर्मा को आरोपी बनाया है।

6/2012 में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद समेत 70 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गडबडी की जांच का आदेश झारखंड हाई कोर्ट ने साल 2012 में सीबीआई को दिया था। 12 साल से अधिक समय तक सीबीआई ने की मामले की अनुसंधान पूरी कर दोनों मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया है। बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा में अंको की हेराफेरी और रिजल्ट प्रकाशन में गडबड़ी की जांच

सीबीआई से कराने का आग्रह किया है।

आज से शुरू होगी आम बजट पर चर्चा, शामिल

होंगे लोगों के सुझाव

सीबीआई ने जेपीएससी द्वितीय परीक्षा

गडबडी मामले में केस नंबर आरसी

युद्धपोत और पनडुब्बी के जलावतरण के बाद बोले प्रधानमंत्री मोदी

दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा आज का भारत

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के नैसेना डाकयार्ड में दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी के जलावतरण के बाद कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विकासवाद की भावना से काम करता है। मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजीत पवार तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम हमारी शानदार विरासत को हमारी भविष्य की आकांक्षाओं से जोडता है। उन्होंने

हमारे पास लंबी समुद्री यात्राओं और जहाज उद्योग से जुड़ा एक समृद्ध इतिहास

- देश की सुरक्षा और प्रगति को बढाएंगे नए फ्रांटियर प्लेटफॉर्म
- हमारी नीति विस्तारवाद की नहीं, विकासवाद की भावना से करते हैं काम



एक दशक में 33 जहाज और 7 पनडुब्बियां नेवी में शामिल

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में नौसेना में 33 जहाजों और सात पनडुब्बियां शामिल की गई हैं, जिसमें 40 में से 39 नौसैनिक जहांजों का निर्माण भारतीय शिपयार्ड में किया गया। इसमें शानदार आईएनएस विक्रांत विमानवाहक पोत और आईएनएस अरिहंत तथा आईएनएस अरिघाट जैसी परमाणु पनडुब्बियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को

बधाई दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.25 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है और देश 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस दुर्लभ खनिजों और मछली स्टॉक जैसे समुद्री संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

कहा कि भारत का लंबी समुद्री और जहाज उद्योग से जुड़ा एक लॉन्च किए गए प्लेटफॉर्म उसी की ने कहा कि यह उस युग की याद यात्राओं, वाणिज्य, नौसेना रक्षा समृद्ध इतिहास रहा है। आज एक झलक दिखाते हैं। प्रधानमंत्री दिलाता है, जब गुजरात के

हर जगह हो रही अपने

हितों की रक्षा : पीएम

पीएम ने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और खासकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। भारत ने हमेशा खुला, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र का समर्थन कियाँ है। 21वीं सदी में भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और आधुनिक बनाने के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा,चाहे वह जमीन हो, पानी हो, हवा हो, गहरा समुद्र हो या अनंत अंतरिक्ष हो, भारत हर जगह अपने हितों की रक्षा कर रहा है। उन्होंने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की स्थापना सहित किए जा रहे निरंतर सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को और अधिक कुशल बनाने के लिए थिएटर कमांड के कार्यान्वयन की

अधिकारियों, मंत्रियों और विशेषज्ञों से महत्वपर्ण सझाव लिए जाएंगे। सरकार ने पोर्टल के जरिए दिशा में आगे बढ़ रहा है। लोगों से भी सझाव मांगे गए हैं। बंदरगाह भारत को पश्चिम एशिया सुझाव मिल भी रहे हैं। राज्यहित में दिए गए सुझावों को बजट में शामिल किया जाएगा। यह बजट स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर केंद्रित होगा।

> राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा है कि सरकार

बता दें कि झारखंड विधानसभा का

बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू हो

ने मंजूरी दे दी है। 24 फरवरी से

शुरू होकर 27 मार्च तक बजट सत्र

चलेगा। बजट सत्र के पहले दिन नए

सदस्यों के शपथ ग्रहण के अलावा

राज्यपाल का अभिभाषण और शोक

पहले दिन २४ फरवरी को साढ़े

प्रकाश का कार्यक्रम है। बजट संत्र के

ग्यारह बजे राज्यपाल का अभिभाषण

होगा। देश की दिवंगत विभूतियों को

रहा है, जिसे राज्यपाल संतोष गंगवार

विकास की गति में नहीं आएगी

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड विधानसभा में 3 मार्च को

राज्य का 2025-26 का आम

बजट पेश होना है। इसके पहले

सरकार ने इस पर व्यापक चर्चा

की तैयारी की है। बजट पर चर्चा

विभागवार होगी। 16 जनवरी से

शुरू हो रही चर्चा में आम लोगों

के सझाव को भी शामिल किया

जाएगा। चर्चा 17 जनवरी तक

चलेगी। जानकारी के अनुसार,

चर्चा के दौरान विभाग के

सरकार को पोर्टल के जरिए जनता की ओर से मिल रही है राय

- स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बजट में किया जाएगा फोकस
- 24 फरवरी से शुरू हो रहा विधानसभा का सत्र, राज्यपाल ने दे दी है मंजूरी
- 🗕 सेशन के दौरान कुल 20 कार्य दिवस किए गए हैं निर्धारित

बजट का 80 से 90 फीसदी राशि उपयोग कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी वर्ष में विकास की गति में कमी आती है। लेकिन, इस बार सरकार बेहतर प्रदर्शन करेगी।

दिन में धीमी धूप के बीच अचानक छा गए बादल, तापमान में आई गिरावट

मकर संक्रांति के बाद भी जारी है सर्दी का सितम

PHOTON NEWS RANCHI:

मकर संक्रांति के बात भी सर्दी का सितम कम होने का नाम नहीं ले रहा। बुधवार को राजधानी रांची में मौसम का मिजाज दिन में फिर बदल गया। मंगलवार को भी ऐसी ही स्थिति थी। धीमी धूप के बीच आसमान में बादल छाए रहे। शाम ढलते ही ठंडी हवाएं चलने लगीं। मौसम विभाग की मानें तो अगले 5 दिन न्यनतम तामपान में बदलाव की कोई संभावना कम है। 21 जनवरी तक सुबह में कोहरा छाया रहेगा। 18 जनवरी तक दिन में बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। इसके बाद रांची में सुबह में कोहरा और दिन में आंशिक बादल छाएँ रहेंगे। हजारीबाग में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि सरायकेला में उच्चतम तापमान २७.६ डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान १०.४ डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान २४.१ डिग्री सेल्सियस रहा।

रांची में शाम में ठंडी हवाओं ने बढ़ाई लोगों की परेशानी



- राज्य के अन्य हिस्सों में अभी गंभीर बनी हुई है ठंड की स्थिति
- मौराम विभाग के अनुसार, 21 जनवरी तक सुबह में छाया रहेगा कोहरा
- हजारीबाग में 7.7 डिग्री सेल्सियस रहा मिनिमम टेंपरेचर

बारिश, ओले, बर्फीले तूफान और समुद्र के स्तर में वृद्धि कई कारकों पर निर्भर

आने वाले दशकों में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की स्थिति जानना बहुत मुश्किल

कनकनी से फिलहाल राहत नहीं

मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, ठंड से फिलहाल राहत नहीं मिलेगी। न्यूनतम तापमान में अगले तीन दिनों तक



टेक्टोनिक प्लेटों की गति में अचानक परिवर्तन





नहीं कर अदालत कलकत्ता उच्च

विभिन्न याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई कर रही थी,जिनमें पश्चिम बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया गया था। बता दें कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने पिछले साल एक अगस्त को मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित 15 मामलों की सुनवाई को चुनौती देने वाली शाही मस्जिद ईदगाह समिति की याचिका खारिज कर दी थी और फैसला सुनाया था कि शाही ईदगाह के धार्मिक चरित्र को निर्धारित करने की आवश्यकता है।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर मार्च तक सुनवाई टली

NEW DELHI : बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में मस्जिद प्रबंधन समिति की अपील पर सुनवाई मार्च तक टाल दी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि उसे आज एक और मामले की सुनवाई करनी है और वह मस्जिद समिति की याचिका

पर विचार सकती। शीर्ष बुधवार को न्यायालय के दी थी उस फैसले याचिका के खिलाफ



इस दिन याद कर श्रद्धांजलि देने के साथ सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। बजट सत्र में कुल 20 कार्य दिवस निर्धारित हैं।

पतिभागियों को मंत्री ने किया सम्मानित

प्रदेश स्तर पर युवा महोत्सव कराएगी सरकार : सुदिव्य

PHOTON NEWS RANCHI: बुधवार को पर्यटन, कला,

संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नई दिल्ली में 10 से 12 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में हिस्सा लेकर लौटे प्रतिभागियों को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में भी राज्य स्तर पर युवा महोत्सव कराएगी, जहां पूरे राज्य से प्रतिभागी भाग लेंगे। युवाओं के विचार और उनकी प्रतिभा राज्य के विकास में सहायक होगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में स्वाति राज (दुमका) को भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त



उनकी प्रतिभा राज्य के विकास में होगी सहायक

हुआ, जबिक शुभांगी क्षितिजा

सौरभ (गुमला) और ऋषित (जमशेदपुर) का चयन (विकास भी विरासत भी पीपीटी के माध्यम से) प्रधानमंत्री के समक्ष प्रजेंटेशन देने के लिए हुआ था।

जलवायु के तापमान में बदलाव भविष्य के लिए नुकसानदायक

ग्लोबल वार्मिंग के दीर्घकालिक नतीजे दे रहे गंभीर संकेत

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK सभी जीवों के लिए पानी और हवा की

उपलब्धता संतुलित रूप में जरूरी है। प्रकृति में पानी और हवा का नेचर तथा उसकी मात्रा में परिवर्तन से प्राकृतिक संतुलन प्रभावित होता है। इससे जलवायु का तापमान भी बदलता है। विशेषज्ञों की राय में लाखों साल पहले जलवायु का तापमान आज की तुलना में अधिक था। लेकिन, धीरे–धीरे यह कम हुआ है। यह जीवों के अस्तित्व के लिए संकट है। यह महत्वपूर्ण बात है कि पृथ्वी की संतह के औसत तापमान में वृद्धि, विशेष रूप से ऐसी वृद्धि जो जलवायु परिवर्तन उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त हो, ग्लोबल वार्मिंग कहलाती है। 1900 के बाद से वैश्विक औसत सतही तापमान में एक डिग्री से अधिक की वृद्धि हुई है, और 1970 के बाद से वार्मिंग की दूर सदी भर के औसत से लगभग तीन गुना अधिक रही है। हाल के दिनों में हुई एक स्पेशल स्टडी में यह बात भर कर सामने आई है कि ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों की

भविष्यवाणी करना बहुत कठि है।

जलवायु नए शोध में बताया गया है कि लगभग 12 करोड़ साल परिवर्तन के कारणों का



ऊपरी परत पहले आज की तुलना में अधिक गर्म था

वार्मिग के मोटी होने से अंतिम निष्कर्षों की समुद्र तल से अधिक ऊंचाई भविष्यवाणी पर बन गई करना अत्यंत पर्वत श्रृंखलाएं कटिन

साइंस एडवांस में प्रकाशित रिपोर्ट में भू वैज्ञानिकों ने दी है विस्तृत की गति में अचानक बदलाव आया। इससे चीन के पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी तट पर पृथ्वी की ऊपरी परत मोटी हो गई, जिससे समुद्र तल से 2500 मीटर ऊपर की पर्वत श्रृंखलाएं बन गईं। मोनाश विवि के स्कूल ऑफ अर्थ, एटमॉस्फेयर एंड एनवायरनमेंट के शोधकताओं ने स्टडी में बताया कि क्रेटेशियस काल के दौरान पौधों और वन्यजीवों के विकास पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव किस तरह पड़े। साइंस एडवांस में प्रकाशित शोध पत्र के अनुसार भू–वैज्ञानिकों ने पहली बार इस बात की जानकारी दी है कि पूर्वी एशिया में तटीय पर्वत कैसे बने, जिसकी वजह से 10 करोड़ साल से भी पहले महाद्वीप की जलवायु में भारी बदलाव हुए।

पहले महाद्वीप के नीचे जोड़ने वाली टेक्टोनिक प्लेटों

विशेषज्ञों ने बताया है कि पर्वत श्रृंखलाओं के निर्माण से दुनिया भर के वायुमंडलीय प्रसार का पैटर्न बदल गया। क्षेत्र में बारिश में वृद्धि हुई। इस तरह के बदलावों ने धरती को बहुत ज्यादा प्रभावित किया और इस मामले में समुद्री इलाकों रेगिस्तान का विस्तार हुआ। आने वाले दशकों में

वायुमंडलीय प्रसार का बदल गया पैटर्न

से दूर शुष्क क्षेत्रों में लगभग 15 फीसद का इजाफा हुआ। फलस्वरूप पूर्व दिशा की ओर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के आकार की भविष्यवाणी और भी मुश्किल है, क्योंकि यह राजनीतिक निर्णयों और तकनीकी प्रगति से प्रभावित हो सकता है।

क्रॉस फायरिंग में घायल अपराधी सुभाष जायसवाल की हुई मौत

रांची के पंडरा में 13 लाख रुपये लूट और एक गोलीकांड सहित कई मामलों में था आरोपी

लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत कुडू बस स्टैंड में मंगलवार को दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना में गंभीर रूप से घायल रांची जिले के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज के रहने वाले अपराधी सुभाष जायसवाल उर्फ सुभाष चौधरी उर्फ छोटू की मौत रांची के रिम्स में इलाज के दौरान मंगलवार की रात दो बजे हो गई। सुभाष को उसके ही अपराधी साथी कुडू ब्लाक मोड़ निवासी एनामुल

अंसारी उर्फ मंगरा की गोली लगी

थी। क्रॉस फायरिंग में सुभाष की

कनपटी में गोली लगने से वह गंभीर

रूप से घायल हो गया था। इसके

बाद पलिस ने इलाज के लिए रांची

में अपराधी सुभाष का आपरेशन भी हुआ था। इसके बाद देर रात उसकी मौत हो गई। सुभाष रांची के पंडरा में हुए 13 लाख रुपये लुटकांड का आरोपी और एक व्यक्ति को गोली मारने की घटना में भी शामिल था। रांची पुलिस इसकी तलाश कर रही थी। इस घटना में शामिल दूसरे अपराधी कुडू ब्लॉक मोड़ निवासी रफीक अंसारी के पुत्र अपराधी एनामुल अंसारी उर्फ मंगरा को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पिटाई करने के बाद कुडू थाना की पुलिस के हवाले कर दिया था। कुडू के पूर्व पंचायत समिति सदस्य कुडू निवासी संतोष मांझी उर्फ मंगलू की हत्या के मामले में गवाह संतोष मांझी के भाई संतु पासवान को सुभाष और एनामुल जान से मारने

सास गई थी खेत पर, बहू ने जहरीला पदार्थ खाकर की खुदकुशी



कसवाखाड़ निवासी रोहित चौहान की पत्नी रेशमा देवी(22) की जहरीला पदार्थ खाने से बुधवार को मौत हो गयी। घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। बुधवार को एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया। घटना

साथ ससुराल में रह रही थी। बुधवार सुबह सास खेत पर गई हुई थी। घर पर कोई नहीं था। खेत से वापस आने पर नावाजयपुर स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एमआरएमसीएच रेफर ग्रामीणों ने बताया कि किसी प्रकार की कोई बात नहीं है। पति और ससुर गोवा में मजदूरी करते हैं। घर पर सास और बहू दोनों मिलजुल कर रहते थे। मंगलवार को रेशमा अपने चार माह के बच्चे को सेवा सदन में इलाज कराकर ससराल वापस आई थी। किस कारण से उसने जहरीला पदार्थ खाया, यह परिजनों को भी समझ में नहीं आ रहा है। रेशमा की शादी २०२३ में हुई थी। उसका मायका पांकी थाना क्षेत्र के सुरजवन में है।

के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के

की नीयत से मंगलवार सुबह कुडू मिस फायर हो गई। दूसरी ओर खड़े बस स्टैंड आए थे। पहले सुभाष ने अपराधी एनामुल ने संतु पर गोली

लग गई थी। पुलिस ने मौके पर अपराधियों के पास से दो लोडेड नाइन एमएम पिस्टल, एक कारतूस,

एक खोखा और दो मैगजीन बरामव किया है। संतु पासवान पर जानलेवा हमला करने के पीछे उसे गवाही से रोकना था। विगत चार फरवरी 2024 को कुडू के पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष मांझी उर्फ मंगलू की कुडू बाजार टांड़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना में शामिल सभी अपराधी जमानत पर बाहर हैं। घटना में शामिल अपराधियों का लोहरदगा व्यवहार न्यायालय में ट्रायल चल रहा है। इसी मामले में गवाह मृतक संतोष मांझी उर्फ मंगलू के भाई संतु पासवान कि गवाही होने वाली थी। इसे रोकने के लिए सुभाष और एनामुल ने कुडू बस स्टैंड में गोलीबारी की घटना को अंजाम

बाबूडीह में हुई हिसक झड़प के मुख्य आरोपी का भाई गिरफ्तार बीसीसीएल एरिया-3 के बाबुडीह में संचालित हिलटॉप आउटसोर्सिंग में 9 जनवरी को हुए हिंसक झड़प और बाघमारा एसडीपीओ पर हमले के मख्य अभियक्त जेएमएम नेता

कारु यादव के भाई वीरेंद्र यादव

सहित सात लोगों को बुधवार को

बोकारो से गिरफ्तार किया है।

धनबाद के ग्रामीण एसपी कपिल

चौधरी ने बताया कि पुलिस की टीम

ने मधुबन कांड के मुख्य अभियुक्त

कारू यादव के भाई को गिरफ्तार

कर लिया है। उन्होंने बताया कि

एक साथी लखन राम महतो के

साथ बोकारो में दो लोगों के यहां

छिपे थे। उन्हें आवास देने वाले दोनों

घटना के दौरान बम और गोलियों चलाने की बात भी स्वीकार किया पर घटना स्थल के समीप स्थित रतन विश्वकर्मा की दुकान से एक देशी पिस्टल, 5 कारतूस और एक बम बरामद किया गया है। एसपी ने बताया कि इस मामले में आज कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ अब इस घटना में कुल केस की संख्या 9 हो गई है जबकि अबतक इस कांड में कुल 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस घटना के मुख्य आरोपित कारू यादव को भी

गांधी मैदान में खूब उड़ाई गई पतंग



HAZARIBAG: जिला परिवहन कार्यालय के सडक सुरक्षा कोषांग की ओर से गांधी मैदान हजारीबाग में दोपहर 12 बजे से पतंग महोत्सव मनाया गया। सडक सुरक्षा के प्रति लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हुए महोत्सव में पतंग और डोरी की व्यवस्था जिला परिवहन कार्यालय ने की थी। इस कार्यक्रम मे 39 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक आदि भी शामिल हुए। कार्यक्रम में लोगो को यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई। ज्ञात हो कि जिले में 1 जनवरी से सडक सुरक्षा माह मनाया जा रहा है, जिसमें विविध कार्यक्रम हो रहे हैं।

सिरका कोलियरी से 20 हजार की संपत्ति की चोरी

RAMGARH: रामगढ़ जिले के सिरका परियोजना के उत्खनन कर्मशाला में अपराधियों ने हमला कर 20,370 रुपए की संपत्ति चोरी कर ली है। इस मामले में सिरका समह के सरक्षा प्रभारी राज राम ने रामगढ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया है कि 12 जनवरी की रात अपराधियों ने सिरका परियोजना के उत्खनन कर्मशाला में दाखिल होकर दो सुरक्षा कर्मियों को बंधक बनाया। वहां से कीमती सामान उठाकर पिकअप वैन में लोड कर फरार हो गए। सीसीटीवी कैमरे में भी 6-7 अपराधियों के जरीये चोरी की घटना को अंजाम देते देखा गया है। पलिस इस मामले की छानबीन कर रही है।

पलामू में स्मार्ट बिजली मीटर का विरोध



PALAMU: स्मार्ट बिजली मीटर के विरोध में लोग उतर गए हैं। लोगों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि तत्काल स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई को रोका जाए अन्यथा यह लोकतंत्र है और शासन में बैठे लोगों को सत्ता दे सकते हैं तो उन्हें उतारा भी जा सकता है। साथ ही आन्दोलन की चेतावनी भी दी गई। इस मामले को लेकर डालटनगंज के एक होटल में बुधवार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, पलामू के बैनर तले पत्रकार वार्ता में सामाजिक कार्यकर्ता अख्तर जमां ने कहा कि दबाव डालकर स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। लगाने से पहले कंज्यमर को विश्वास में लेना चाहिए था। स्मार्ट मीटर लगाने के फायदे बताना चाहिए था। इससे सरकार को क्या फायदा होगा, यह भी जानकारी दी जानी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। जबरन स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। मीटर लगाने वाले गुंडागर्दी पर उतारू हो गए हैं। इतना ही नहीं जो विरोध कर रहे हैं उनका बिजली कनेक्शन काटने की धमकी दी जा रही है।

अफीम के खेत में काम करते खूटी और अड़की से चार धराए



KHUNTI : जिले में चल रहे वर्षीय घाघरा गांव निवासी मंगरा मुंडा तथा अड़की थाना क्षेत्र के अभियान के तहत बुधवार को मारंगबेड़ा गांव निवासी 31 वर्षीय सशस्त्र सीमा बल, एसएसआरबी और जिला पुलिस ने संयुक्त रूप लक्ष्मण स्वांसी और 21 वर्षीय से चलाए गए अभियान के दौरान बिरसा स्वांसी शामिल हैं। पुलिस खुंटी और अड़की थाना क्षेत्र के ने खेती में प्रयुक्त किए जा रहे गांवों से चार लोगों को अफीम के कुदाल, पानी पंप सेट और पाइप खेत में काम करते हुए गिरफ्तार भी जब्त किया है। इसके साथ ही किया। गिरफ्तार लोगों में खुंटी पुलिस ने मारंगबेड़ा में छह एकड़ सदर थाना क्षेत्र के रीदाडीह गांव

पंचवटी अपार्टमेंट में हुई मारपीट, चली तलवार जेल भेजा गया हमलावर

RAMGARH : रामगढ शहर का पंचवटी अपार्टमेंट एक बार फिर मारपीट को लेकर चर्चा में है। इस अपार्टमेंट में अक्सर दो गुट आपस में भिडते रहते हैं। इस बार मारपीट काफी हिंसक हो गया और तलवार भी चली। इसमें एक व्यक्ति राजेश कुमार अग्रवाल उर्फ राजू अग्रवाल घायल हो गए। पुलिस को जैसे ही मारपीट की इस घटना की सूचना मिली पुलिस ने हमलावर अरुण कुमार गोयल को गिरफ्तार कर लिया। राजेश कुमार रहने वाले अरुण कमार गोयल ने उस वक्त हमला किया था, जब वह बच्चे को दौरान सबसे पहले मारपीट की और गर्दन पर दांत काटी। कुछ लोगों ने बीच गोयल नहीं रुके। उन्होंने घर जाकर तलवार निकाली और दोबारा हमला किया, जिससे राजेश घायल हो गए। पंचवटी अपार्टमेंट में जब मर्दों के बीच झगड़ा शुरू हुआ तो महिलाएं भी पीछे और अरुण कुमार गोयल की पत्नी भी भिड़ गई। उन लोगों ने एक दूसरे के

लातेहार में हथियार के साथ ७ अपराधी किए गए गिरफ्तार

जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के चिरो मोड़ के पास से पुलिस ने हथियार के साथ सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में जगदीश सिंह, बबलू सिंह, दीपक सिंह, गणेश यादव, मनोज सिंह, अशोक लोहरा और रॉकी कुमार साव

सभी अपराधी चंदवा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चंदवा थाना क्षेत्र के चिरो मोड़ के पास कुछ अपराधी जमे हुए हैं। सूचना के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और अपराधियों के खिलाफ छापेमारी



आरोपियों की जानकारी देते एसपी कुमार गौरव

की गई। पुलिस ने इस दौरान सात अपराधियों को गिरफ्तार कर

एसपी ने बताया कि गत 10 जनवरी को चंदवा थाना क्षेत्र के लतदाग गांव के पास सड़क निर्माण के साइडिंग पर इन्हीं अपराधियों के जरिये गोलीबारी की गई थी। सभी अपराधी राहुल

सिंह गिरोह के लिए काम करते थे। इनका मुख्य धंधा लोगों में दहशत बनाकर रंगदारी वसुलने

एसपी ने बताया कि गिरोह में पुलिस लगातार छापामारी कर

छात्राओं की शर्ट उतरवाने के मामले को लेकर शुरू हुई जांच

स्कूल पहुंची बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम

कार्मेल स्कूल, डिगवाडीह में 'पेन

डे' पर छात्राओं की शर्ट उतरवाने के मामले की जांच करने को झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम बुधवार को स्कूल पहुंची। सुबह में ही टीम ने अपनी जांच शरू कर दी। टीम में आयोग की सदस्य डॉ. आभा विरेंद्र अकिंचन, रुचि कुजुर और विकास दोदराजका शामिल हैं। इसके अलावा उनके साथ जिला बाल कल्याण समिति के भी पदाधिकारी हैं। जांच को लेकर सदस्य विकास दोदराजका ने बताया कि घटना के बाद स्कूल प्रबंधन के खिलाफ शिकायतों के काफी ई-मेल आयोग को मिले थे। इन्हीं को आधार बनाकर आयोग

यहां बता दें कि पिछले शुक्रवार को स्कूल में दसवीं की छात्राओं ने 'पेन डे' मनाया था। इसमें स्कूल के अंतिम दिन छात्राओं ने एक-दूसरे की शर्ट पर शुभकामना संदेश लिखे थे। बताया जा रहा है कि जब प्रिंसिपल को यह बात मालूम हुई, तो सभी छात्राओं को प्रिंसिपल के रूम में बुलाया गया। प्रिंसिपल ने कहां कि सभी अपनी शर्ट जमा कर दो और घर जाओं। अभिभावकों व छात्राओं ने बताया कि छात्राएं ब्लेजर से शरीर ढंक कर घर पहुंची।

जांच कर रही है। प्रारंभिक दौर में आयोग ने इंटरनेट मीडिया पर घटना को लेकर चल रहे वीडियो-आडियो को भी देखा है। जांच के अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक व गार्ड से मामले की जानकारी ली जाएगी। इसके अलावा स्कूल के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच होगी। टीम पूरी फुटेज देखेगी। जांच के बाद देर शाम टीम उपायुक्त माधवी मिश्रा से

भी मिलेगी। दोदराजका ने बताया कि बाल अधिकार एवं उनके कल्याण से संबंधित किसी भी मामले को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक जांच टीम की ओर से स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के बीच समझौता कराने की बात सामने आ रही है। इस मामले को भी देखा जाएगा। उपायुक्त से प्रशासनिक जांच रिपोर्ट मांगी

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार भेजा गया जेल



BUNDU : बुंडू थाना की पुलिस ने मंगलवार की शाम मौसीबाड़ी परिसर से एक व्यक्ति को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। गप्त सूचना पर पहुंची पुलिस जब युवक के पास आई तो युवक भागने लगा पलिस ने उसे दौडा कर पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम मकेश कमार महतो. ताऊ निवासी बताया। तलाशी लेने पर कमर में रखा लोडेड देसी पिस्टल मिला, जिसमें 2 गोली लोड थी। अभियुक्त को न्यायिक

डीसी ने जनता दरबार में कई मामलों का किया निष्पादन



PALAMU: उपायक्त शशि रंजन ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने का अनरोध किया। उपायक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार व

हरिहरगंज के अर्ररूआ से आये एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले दिनों घर में गैस लीक के कारण आगलगी की घटना में उसकी आठ वर्षीय बच्ची झलस गयी। आपदा के तहत मिलने वाले मुआवजा को लेकर कई बार सीओ कार्यालय में आवेदन दिया, लेकिन अबतक उचित कार्रवाई नहीं की गयी है। डीसी ने छत्तरपुर एसडीएम को ऑनस्पॉट कॉल कर मामले पर पर्सनल इंटरेस्ट लेते हए त्वरित रूप से निष्पादन करने की बात कही। डीसी ने उक्त बच्ची के अभिभावक को निजी स्तर से

खुश हुए ग्रामीण, आदिवासी रीति-रिवाजों से कराया अवगत

नॉर्वे से आए ३४ सैलानी, लिया पीटा का आनंद

जिले के मसलिया प्रखंड क्षेत्र के गोलबंधा पंचायत के गोलपुर गांव में बुधवार को नॉर्वे देश के विदेशी सैलानी पहुंचे। सात हजार किलोमीटर दूर से नॉर्वे से पहुंचे 34 की संख्या में विदेशी सैलानियों का सामाजिक जागरूकता युवा संगठन मसलिया के अध्यक्ष शिवनाथ बेसरा की अगुवाई में आदिवासी रीति-रिवाज से भव्य स्वागत किया गया। अतिथियों को आदिवासी पारंपरिक, रीति-रिवाज से अवगत कराया गया। स्वागत समारोह में अतिथियों का लोटा पानी एवं पैर धोकर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया। विदेशी मेहमानों को आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और समुदाय के मुल्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य, गीत का प्रस्तुति दी गई। वही मेहमानों को गांव के विभिन्न



विदेशी सैलानियों के साथ ग्रामीण

प्रकार के स्वादिष्ट पकवान जैसे कोदे पीठा, जिल पीटा, मल्हान पिठा, जिल लेटो, जिल सूड़ा, जिल कुरही, जिल लात जैसे भोजन पोरोसा गया। मेजबान ग्रामीणों ने बताया कि ह्रआदिवासी परंपराएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर

हैं। नार्वे जैसे देश के अतिथियों का स्वागत कर हमने अपने समाज की विशेषता को अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया है। वही अतिथियों ने भी इस अनुभव को बेहद अद्भुत और प्रेरणादायक बताया। मौके पर संगठन के सचिव प्रभाकर हांसदा,

उप सचिव मनोरंजन हांसदा, उपकोषाध्यक्ष रंजीत हांसदा, डॉ सुशील मरांडी, ग्राम प्रधान आईनेश किस्कू, जुनुस हेंब्रम, बिमल हांसदा, शिवधन बेसरा, मनोज हेंब्रम, देवानन्द बेसरा आदि

ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार HAZARIBAG : हजारीबाग के

कटकमदाग थाना क्षेत्र में नशे के बढ़ते कारोबार पर पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो सगे भाइयों को सात ग्राम ब्राउन शूगर और मापतौल की मशीन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहम्मद इकबाल कुरैशी और मोहम्मद इफ्तखार कुरैशी, दोनों मोहम्मद जलालुद्दीन कुरैशी के पुत्र हैं। अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई। जब्त सामग्री से स्पष्ट है कि आरोपी न केवल नशा करते थे बल्कि इसका कारोबार भी करते थे। कटकमदाग थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते अपराध का मुख्य कारण नशा है। उन्होंने कहा कि अधिकतर पकडे गए अपराधी नशे के आदी पाए गए हैं। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता प्रखंड क्षेत्र में चल रहे नशे के कारोबार पर अंकुश लगाना और युवाओं को नशे की लत से बचाना है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि जब तक क्षेत्र में पूर्ण शांति बहाल नहीं होती, कार्रवाई जारी रहेगी। नशे के कारोबार में लिप्त सभी आरोपियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और दोषी पाए जाने पर

कार्रवाई की जाएगी।

आपत्तिजनक स्थिति में महिला-पुरुष को ग्रामीणों ने पकड़ा, बनाया बंधक

जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के जमुनिया गांव में बीते रात आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने पर एक व्यक्ति और एक महिला को ग्रामीणों ने करीब 20 घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बुधवार की सुबह जब सरैयाहाट पुलिस बंधकों को छुड़ाने गई, तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ भी मारपीट की। जानकारी के अनुसार पांचुबाद गांव के विश्वनाथ सोरेन का जमुनिया गांव की एक शादीशुदा महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गुरुवार की रात जैसे ही विश्वनाथ महिला से मिलने उसके घर गया, तो ग्रामीणों ने उसे और महिला को बंधक बनाकर जमकर पिटाई की। सुबह जब सरैयाहाट पुलिस को इसकी जानकारी हुई तो पुलिस गांव पहुंच जब बंधकों को छुड़ाने का प्रयास



मामले की सुनवाई करते पुलिस पदाधिकारी

किया, तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ भी धक्का मुक्की शुरू कर दी और पुलिस को भी बंधक बना लिया। जिसके बाद काफी संख्या में पुलिस गांव पहुंच आक्रोशित लोगों को समझा-बुझा कर शांत करा बंधकों को छुड़ाया।

ग्रामीणों और महिला के पति का आरोप था कि उक्त युवक का महिला के साथ शारीरिक संबंध है और अक्सर रात को वो महिला के घर आता है। घटना के बाद पुलिस ने बंधकों को छुड़ाने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट में ईलाज कराया। साथ ही दो पक्षों में हुई मारपीट में घायल कई लोगों का ईलाज भी कराया गया। वहीं दूसरी ओर घटना के सरैयाहाट प्रखंड के माथाकेशो पंचायत की पूर्व मुखिया तलामय सोरेन ने भी सरैयाहाट थाना में आवेदन देकर जमुनिया गांव के कई लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है।

पूर्व मुखिया ने अपने दिए आवेदन में बताया है कि गांव में हुए झगड़े को लेकर वो आपसी सुलह के लिए अपनी बेटी के साथ जमुनिया गांव गई थी।

इस दौरान गांव के कुछ युवकों ने उसकी बेटी और उसके साथ पुलिस की मौजूदगी में मारपीट किया। इधर खबर लिखें जाने तक दोनों महिला पुरुष को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में लेकर थाना में

राजधानी रांची के हिंदीपीढ़ी थाना

क्षेत्र के सेंट्रल स्टेट की रहने

वाली दो सगी बहनें (20 साल

की रहनुमा परवीन व 18 साल

की अमरीन परवीन) को पुलिस

ने कर्नाटक-केरल के बॉर्डर से

बरामद कर लिया है। इस मामले

में हिंदपीढ़ी थाना में अपहरण का

मामला दर्ज कराया गया था।

अपहरण की बात झुठ निकली।

जानकारी के अनसार, पलिस की

स्पेशल टीम दोनों बहनों को

लेकर बुधवार की रात रांची

पहुंच गई है। जांच में पता चला

कि दोनों बहनें अपने प्रेमी के

कहने पर फरार हुई थीं। दानों ने

दो साल पहले ही अपने प्रेमी के

साथ शादी रचा ली थी। फिर सही

समय का इंतेजार किया। इसके

बाद 11 जनवरी को मौका पाकर

फरार हो गईं। पुलिस ने दोनों

बहनें के प्रेमी को भी पकड़ा है।

साथ ही दोनों बहनों को भगाने

की घटना में शामिल एक यवक

को भी पकडा है। अपहरण की

कहानी बनाने के लिए एक

जांच में पुलिस के हाथ लगे थे अहम सुराग

संस्थापक एवं सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. संपूणार्नंद मिश्रा ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मिलकर नववर्ष

की शुमकामनाएं दी। राज्यपाल से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मुलाकात

RANCHI: बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के . रवि कुमार ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल कोह्यराष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

गवर्नर ने सैनिकों को थल सेना दिवस की दी बधाई

RANCHI: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सैनिकों को थल सेना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने सोशंल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा है कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर जवानों को भारतीय थल सेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मैं भी आपके बीच का ही हुं एक डॉक्टर : इरफान

RANCHI: बुधवार को रिम्स ऑडिटोरियम में चल रहे एनुअल कल्चरल फेस्ट पलाश में हेल्थ मिनिस्टर इरफान अंसारी शामिल हुए। अनोखे अंदाज में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं भी आपके बीच का एक डॉक्टर हूं। कभी आपकी तरह तालियां बजाया करता था। कुछ लोग हमारे प्रोफेशन को बदनाम करते हैं। अब डॉक्टरवा कहां है, यह भाषा नहीं चलेगी। इससे बाज आना होगा। संस्थान के डायरेक्टर, सुपरिनटेंडेंट और डीन से कहा कि आप लोग हमारे विद्यार्थियों को परेशान नहीं करें। इरफान ने कहा कि बहुत जल्द डॉक्टरों के हित में कुछ बड़े फैसले लेने जा रहा हुं। उन्होंने डीन को निर्देश दिया कि वे मेडिकल छात्रों के साथ एक पिकनिक ऑगेर्नाइजर करें और इसका सारा खर्च वह व्यक्तिगत तौर पर वहन

स्ट्रीट लाइट की मरम्मत के लिए निगम ने 15 टीमों का किया गठन

RANCHI: रांची नगर निगम ने स्ट्रीट लाइट की मरम्मति के लिए 15 टीमों का गठन किया है। निगम के मुताबिक, निगम के सभी क्षेत्र में मुख्य पथों, सामुदायिक स्थलों में लगे स्ट्रीट लाइट के रख–रखाव का कार्य मेसर्स ईईएसएट प्रा लि को दिया था। इसकी अवधि वर्तमान में समाप्त हो चुकी है। इस संदर्भ में प्रशासक के निर्देश पर विद्युत शाखा के 15 टीमों का गढन किया गया है। सभी टीम खराब पड़े स्ट्रीट लाइट की मरम्मति कर उसे दुरूस्त करेगी। बुधवार को उप प्रशासक के नेतृत्व में सभी टीमों को निगम कार्यालय से रवाना किया गया। सभी टीम को जोनवार (चार जोन) प्रतिनियुक्त किया गया है। निगम के कनेक्ट सेंटर या अन्य ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त शिकायतों का भी निष्पादन करेगी। इसके अलावा निगम ने लोगों को अपने अपने वार्ड की खराब पडी लाइट के लिए कनेक्ट नंबर 18005701235 या वाट्स एप नंबर 8141231235 कई मदद लेने को कहा है।

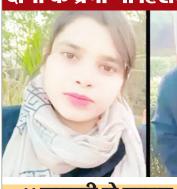
डीसी ने स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काटकर किया उद्घाटन

RANCHI : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने बुधवार को समाहरणालय स्थित कमरा संख्या–608 के एनआईसी सभागार में स्मार्ट डिस्प्ले का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस स्मार्ट डिस्प्ले में कई अत्याधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो उच्च क्षमता वाले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए उपयुक्त हैं।

झूटी निकली अपहरण की बात, परिजनों ने दर्ज कराया था मामला

कर्नाटक-केरल के बॉर्डर पर मिलीं रांची से गायब हुईं दो सगी बहनें

दोनों को लेकर रांची पहुंची पुलिस की स्पेशल टीम, आज कर सकती है खुलासा दोनों के प्रेमी भी हिरासत में, 2 साल पहले ही युवतियों ने रचा ली थी शादी ओरमांझी में मिला था आखिरी लोकेशन



11 जनवरी से गायब थीं दोनों बहनें

गौरतलब है कि 11 जनवरी को दोपहर 12.30 बजे दोनों बहनें कांटाटोली स्थित मंगल टावर जाने के लिए निकली थीं। दोनों को अपने आधार कार्ड में कछ करेक्शन कराना था। लौटने के दौरान दोपहर 1.20 बजे एक बहन ने अपने चाचा को फोन कर बताया कि मेरा कल नहीं था मेरा रविवार जबरन उन्हें कहीं और ले जा

ऑडियो भी वायरल किया गया था, जो जांच में फर्जी पाया गया। पर्स और मोबाइल भी छीन लिया है। इसके बाद फोन कट गया। युवतियों के चाचा ने दोबारा कॉल बैक भी किया। लेकिन, फोन स्विच ऑफ स्वीच बता रहा था। इस मामले में झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महासंघ के अध्यक्ष दिनेश सोनी ने ऑटो चालक का फोटो भी जारी किया था।

रहा है। ऑटो ऑटो चालक ने उनका

पुलिस के अनुसार, पूरी घटना को सोची-समझी रणनीति के

गया था। इसके आधार पर पुलिस ओरमांझी जाकर छानबीन भी की

तहत अंजाम दिया गया था। गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे

दोनों सगी बहनों के गायब होने पर

उनके चाचा ने केस दर्ज कराया था।

डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन

कुमार सिन्हा ने गायब बहनों को

ढुंढने के लिए एसआईटी का गठन

किया था। एसआइटी में कोतवाली

डीएसपी, सिटी डीएसपी के अलावा

हिंदपीढ़ी, लोअर बाजार, कोतवाली,

बीआईटी, पंडरा, पुंदाग, एससी-

खेलगांव ओपी प्रभारी को शामिल

किया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश

एसटी, खरसीदाग ओपी और

सोय के नेतृत्व में एसआईटी

लगातार छापेमारी कर रही थी।

अंतिम लोकेशन ओरमांझी में पाया

जांच के दौरान दोनों बहनों का

मामले का खुलासा किया जा

थी। कई सीसीटीवी फुटेज को

खंगाल गया था। इस मामले में

पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा

युवकों को हिरासत में लिया था।

पूछताछ में कई जानकारियां सामने

आई थीं। इसके आधार पर पुलिस

रांची पलिस की एक टीम कर्नाटक

गई थी। इसके बाद स्थानीय पुलिस

की मदद से दोनों सगी बहनों को

बरामद कर लिया गया है।

मंगलवार को राज्य के स्वास्थ्य

बहनों के घर पहुंचे थे। पीड़ित

था। इरफान अंसारी ने पीड़ित

मंत्री इरफान अंसारी लापता सगी

परिवार से मिलकर ढांढ़स बंधाया

परिवार को दोनों बहनों को 72 घंटे

के अंदर ढूढ़कर वापस लाने का

आश्वासनं दिया था।

Thursday, 16 January 2025 कार्रवाई : 12 बोतल शराब बरामद रांची रेलवे स्टेशन से शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार



CRIME REPORTER RANCHI: रांची रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 12 बोतल शराब बरामद की गई, जिनकी कीमत लगभग 13 हजार रुपये बताई जा रही है। यह मामला रांची रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18624 के दौरान सामने आया, जब एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर उसकी तलाशी ली गई। आरपीएफ के सब-इंस्पेक्टर सरज पांडेय ने बताया कि यह कार्रवाई मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर की गई। बधवार को रांची रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18624 से एक युवक संदिग्ध अवस्था में उतरा। उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोतल शराब मिली, जिन्हें वह ट्रेन में लेकर जा रहा था। आरोपी की पहचान संजीत कुमार (28) के रूप में हुई, जो बिहार राज्य के जहानाबाद जिले का निवासी है। आरोपी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने यह शराब रांची से खरीदी थी और इसे ऊंचे दामों पर बिहार में बेचने के लिए ट्रेन से भेज रहा था। संजीत कमार ने यह भी बताया कि वह पहले भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल रहा है और बिहार के विभिन्न इलाकों में शराब की तस्करी करता रहा है। पुलिस ने कहा कि आरोपी को पकड़ने के बाद आरपीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और शराब की

जोन्हा और हुंडरू जलप्रपात में रोप-वे बनाने की मिली हरी झंडी



PHOTON NEWS RANCHI

अब पर्यटकों को दो जलप्रपातों-जोन्हा और हुंडरू में जल्द ही रोप-वे की सुविधा मिलेगी। पर्यटक यहां की खूबसूरती के अलावा रोप-वे का भी आनंद ले सकेंगे। इन दोनों जगहों पर रोप-वे की संभावना का अध्ययन करने वाली एजेंसी (राइट्स लिमिटेड) ने इसके लिए हरी झंडी दे दी है। बता दें कि राज्य सरकार ने पांच जगहों- जोन्हा, हुंडरू, दशम, कौलेश्वरी और रांची के पहाड़ी मंदिर में रोप-वे की संभावना का अध्ययन करने की जिम्मेदारी रेल मंत्रालय के उपक्रम राइटस लिमिटेड को सौंपी थी। एजेंसी ने अपने अध्ययन में जोन्हा और हुंडरू को इसके लिए अनुकूल को स्वीकृति भी ली जायेगी।

पाया है। दशम में जमीन की समस्या है। रांची के पहाड़ी मंदिर को रोप वे के लिए अनुकुल नहीं पाया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि रांची के पहाड़ों की जमीन इतनी मजबूत नहीं है कि वहां रो-पवे का निर्माण किया जा सके। अधिक भार पड़ने पर वहां की जमीन भरभरा सकती है। रिपोर्ट के आधार पर पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकृद विभाग ने उक्त दोनों जगहों पर रोप-वे के निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करने की अनुमति दे दी है। इसकी जिम्मेदारी राइटस को ही दी गई है। डीपीआर तैयार होने के बाद योजना प्राधिकृत समिति की स्वीकृति ली जाएगी। इसके बाद इसपर कैबिनेट

विद्यानगर में शिव-हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार और प्राण

RANCHI: राजधानी रांची के हरम् रिथत विद्यानगर में तीन दिवसीय शिव हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार सह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम १७ जनवरी से शुरू होकर 19 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम बजे से प्रायश्चित संस्कार के तुरंत बाद जल यात्रा (कलश यात्रा) प्रारम्भ की जाएगी, जो विद्यानगर स्थित शिव हनुमान मंदिर से शुरू होकर हरमू चौक स्थित पंच मंदिर तक जाएगी। फिर वापस हरम् स्थित पंच मंदिर से जल लेकर विद्यानगर स्थित शिव हनुमान मंदिर में आकर पूर्ण होगी। इस कलश यात्रा में लगभग 700 महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। इसके बाद मंडप प्रवेश, पंचांग पूजन, हवन और संध्या आरती के पश्चात प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन 18 जनवरी को प्रात: 8.00 बजे बेदी पजन से शरू होगा। फिर मूर्तियों का अधिवास, न्यास के बाद नगर भूमण करते हए शय्या अधिवास और हवन के साथ के बाद संध्या आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। प्रातः ८.०० बजे से बेदी पूजन के तुरंत बाद मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

प्रतिष्ठा महायज्ञ कल से

के पहले दिन 17 जनवरी को प्रात: 8.00 शुरू हो जाएगा।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के प्रतिभागियों से किया संवाद

अन्य राज्यों की संस्कृति व सोच को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण : गवर्नर

PHOTON NEWS RANCHI:

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों से राजभवन में संवाद किया। प्रतिभागियों उल्लेखनीय प्रदर्शन और राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल ने यवाओं की प्रतियोगिता में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि किसी विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और अन्य राज्यों की संस्कृति एवं सोच को समझना



युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों और उपलब्धियों से न केवल राज्य. बल्कि देश का नाम भी रोशन करें। राज्यपाल से संवाद के क्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया। स्वाति राज ने कहा कि उन्होंने 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार रखे। तीन मिनट के सम्बोधन के क्रम में उन्होंने पोषण, जीरो हंगर,

रोजगार और अमतकाल जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही शुभांगी राज ने कहा कि उन्होंने 'विकास भी, विरासत भी' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ संवाद और उनके साथ भोजन को अपने जीवन का गौरवपर्ण और अविस्मरणीय क्षण बताया। ऋषित ने 'टेक फॉर विकसित भारत' पर अपनी प्रस्तुति

युवा के दृष्टिकोण से विकसित भारत के लिए तकनीक की भूमिका क्या हो सकती है। उन्होंने अन्य राज्यों के युवाओं की प्रस्तुतियां देखने और उनकी संस्कृति को समझने का अनुभव भी साझा किया। स्वातिका ने कहानी लेखन प्रतियोगिता में 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विभिन्न विषयों को रचनात्मकता के साथ समाहित किया। इस अवसर पर खेल निदेशक संदीप कमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी, डॉ. ओपी पाण्डे और राजेश कुमार चौधरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया था।

दुकान के पीछे स्थित चारदीवारी को भी कर दिया ध्वस्त

अनगड़ा में रिंग रोड टोल के पास चाय पकौड़ी की दुकान में लगा दी गई आग

झारखंड की राजधानी रांची के रिंग रोड टोल गेट के पास चाय-पकौडी की दुकान को किसी ने आग लगा दी। दुकान पूरी तरह से जलकर राख में तब्दील हो गई। दुकान को जलाने के बाद बदमाशों ने दुकान के पीछे स्थित चहारदीवारी को भी ध्वस्त कर दिया। चाय-पकौड़ी की दुकान चलाने वाली लोकमनी देवी और उसके पति बंधन गोप ने कहा है कि आगजनी में उसका एक लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। दंपती ने कहा कि इसी



दकान के सहारे आजीविका चलाते थे। अब बर्बाद हो गए। दूसरी ओर लोगों का कहना है कि जमीन की वजह से दुकान को जलाया गया है। दुकान के पीछे करोड़ों का भू-खंड है, जिसे इस आगजनी की वजह बताया जा रहा

है। समाजसेवी मुस्तफा अंसारी बताते हैं कि हाल ही में रिंग रोड के आसपास के क्षेत्र में लगातार असामाजिक तत्वों का जमावड़ा हो रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में इस क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं भी बढ़ीं हैं। पुलिस को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। उधर, अनगडा थाना प्रभारी हीरालाल साह ने बताया कि दुकान में आग लगाए जाने की घटना में भूमि विवाद का खेल हो सकता है। पुलिस हर एंगल से मामले की

बिजली : सालाना ८९७५ करोड़ की होती है खरीदारी राजस्व प्राप्ति ७३११ करोड़

RANCHI : झारखंड बिजली वितरण निगम सालाना ८९७५ करोड़ की बिजली विभिन्न पावर कंपनियों से खरीदता है। इसके एवज में वितरण निगम को विभिन्न स्रोतों से सालाना 7311 करोड़ की राजस्व की प्राप्ति होती है। इसका खुलासा बिजली वितरण की ऑडिट रिर्पोट में हुआ है। इस हिसाब से लगभग 1663 करोड़ का सालाना रेवेन्यू गैप रह जाता है यानी वितरण निगम को १६६३ करोड़ का घाटा होता है। वितरण निगम अफसरों-कर्मियों के वेतन–पेंशन सहित अन्य मदों में सालाना ३४९ .६० करोड रुपये खर्च करता है। इसमें वेतन का 261.91 करोड़, पेंशन का 52.22 करोड़, अर्न लीव इंकैशमेंट का 18.12 करोड़, ग्रेच्यूएटी का 10 .36 करोड़, पीएफ का 1.57 करोड़ और स्टॉफ वेलफेयर का ५.३९ करोड़ शामिल है।

68वीं अखिल भारतीय पुलिस मीट की तैयारी को लेकर पुलिस मुख्यालय में बैठक

दी। उन्होंने उल्लेख किया कि एक

१० से १५ फरवरी तक चलेगा कार्यक्रम

PHOTON NEWS RANCHI:

रांची में आयोजित होने वाले 68वीं अखिल भारतीय पलिस मीट की तैयारी को लेकर पलिस मख्यालय में बैठक हुई है। इस बैठक में सीआईडी और स्पेशल ब्रांच के अधिकारी शामिल हुए। डीजीपी के निर्देश पर आयोजित हुए इस बैठक में पुलिस मीट की तैयारी को लेकर चर्चा हुई। गौरतलब है। कि 68वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन इस बार रांची में होना है। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। यह कार्यक्रम 10 फरवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक चलेगा। इस पुलिस ड्यूटी मीट में आतंकवाद, नक्सलवाद



और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के खिलाफ कार्रवाई के तरीकों को साझा किया जाएगा, ताकि इन समस्याओं पर प्रभावी ढंग से कार्यवाही की जा सके। इस पुलिस ड्यूटी मीट में आंध्र प्रदेश, बिहार, सीआरपीएफ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, आईटीबीपी,

जम्म्-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक,

केरला, राजस्थान, रेलवे सुरक्षा बल, एसएसबी, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के दल शामिल होंगे। इसमें लगभग 1500 पुलिस अधिकारी और कर्मियों के भाग लेने की संभावना है, जो देश के सभी राज्यों की पुलिस और अन्य संगठनों से संबंधित हैं।

११.८१ लाख लाभुकों को सितंबर २०२४ से नहीं मिली पेंशन : अमर बाउरी

RANCHI : पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि हेमंत सरकार की नाकामी रही है कि 11.81 लाख लाभुकों को सितंबर 2024 से पेंशन नहीं मिली है। झारखंड में पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को पिछले चार महीने से पेंशन नहीं मिली। हर तीन महीने में उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजने का नियम है। लेकिन समाज कल्याण विभाग की लापरवाही के कारण लाखों वृद्ध, विधवा और दिव्यांग लोग पेंशन से वंचित हैं। उन्होंने जनता के सवालों को भी सरकार के समक्ष रखा है। इन सवालों में क्या ११.८१ लाख गरीब और जरूरतमंद लोग सरकार की प्राथमिकता में नहीं हैं? क्यों समय पर प्रमाण पत्र भेजने में असफल रही सरकार और 100 करोड

के फंड का उपयोग क्यों नहीं हो रहा?

अब झारखंड में इनामी नक्सलियों की संख्या हो गई 73 मोस्ट वाटेड लिस्ट में भाकपा माओवादी के ४ और नक्सलियों को किया शामिल

PHOTON NEWS RANCHI: नक्सिलयों की कमर तोड़ने के

लिए हर स्तर पर पुलिस ने पुख्ता प्लान तैयार कर लिया है। जहां-जहां जरूरत हो रही, वहां-वहां तत्काल एक्शन लिया जा रहा है। पुलिस ने अब नक्सलियों की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भाकपा माओवादी के चार और नक्सलियों को शामिल किया है। ये हैं-इसराइल पूर्ति, मीना, डांगर तीयू और सोनाराम। इन पर इनाम भी घोषित किया गया है। पहले से मोस्ट वांटेड लिस्ट में 69 नक्सली शामिल है अब उनकी संख्या 73 हो गई है। बता दें कि नक्सलियों



इसराइल पूर्ति : एक लाख मीना : दो लाख डांगर तीयू : दो लाख सोनाराम : दो लाख

का सफाया करने के लिए पिछले साल लगातार अभियान चलाया। नक्सल प्रभावित जिलों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर अभियान चलाया गया।

सीएस ने काम शुरू करने में आ रहीं परेशानियों को दूर करने का दिया निर्देश

एक सप्ताह में ऑपरेशनल हो जाएंगे झारखंड में ४ कोल ब्लॉक

PHOTON NEWS RANCHI: बुधवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सरकार द्वारा आवंटित सभी

34 कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्या के समाधान का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जितनी जल्द ये कोल ब्लॉक शुरू होंगे, उतनी ही जल्दी उस इलाके में आर्थिक गतिविधियां शुरू होंगी। इससे जहां रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। राज्य सरकार के राजस्व में भी इजाफा होगा। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों को इसके लिए युद्धस्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया। बता दें कि वह आवंटित कोल ब्लॉकों को शुरू करने में आ रही समस्या के समाधान को लेकर समीक्षा कर रही थीं। सरकार की ओर से ३४ कोल ब्लॉक किए गए हैं आवंटित



विभागों को उपलब्ध कराएं जरूरी कागजात

मुख्य सचिव ने आवंटित कोल ब्लॉकों के प्रतिनिधियों को भी निर्देश दिया कि वे ससमय संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को जरूरी कागजात उपलब्ध करायें। प्रशासन के साथ समन्वय कर कोल ब्लॉकों को ऑपरेशनल करने में आ रही समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने कहा कि जहां विधि व्यवस्था की समस्या है, वहां लोगों के बीच सद्भावना और सौहार्द विकसित करें।

कर्ड समस्याएं आ रहीं सामने समीक्षा के दौरान पाया गया कि पलामू का राजहारा, लातेहार का तुबेद,

अधिकांश आवंटित कोल ब्लॉकों को शुरू करने में जमीन अधिग्रहण, रेट की गणना, मुआवजा, फॉरेस्ट विलयरेंस, भूमि हस्तांतरण, कोल ब्लॉक की जमीन से गुजरने वाले नाला, नदी और सड़क को लेकर समस्या आ रही है। कुछ जगहों पर विधि व्यवस्था की भी समस्या सामने आई। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित उपायुक्तों को निर्देश दिया कि इन समस्याओं का समाधान एक समयसीमा के भीतर करें। समीक्षा के दौरान ही 34 में से 4 कोल ब्लॉक

हजारीबाग जिला में स्थित बदाम और मोइत्रा जेएस डब्ल्यू से अविलंब खनन करने की स्थिति स्पष्ट हो गई। ये कोयला खदान सप्ताह भर के भीतर ऑपरेशनल हो जाएंगी। अन्य 9 कोल ब्लॉकों की समस्या का भी समाधान लगभग कर लिया गया। इनका ऑपरेशन भी यथाशीघ्र होने की संभावना है। बाकी बचे अन्य कोल ब्लॉकों को लेकर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इनकी समस्या का भी समाधान कर जितनी जल्द हो सके उसे ऑपरेशनल करें।

झारसुगड़ा व बिमलगढ़ सेक्शन पहुंचे डीआरएम, लगाई फटकार नशे के चलते आपसी विवाद में हुई थी टोनी की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त पिस्टल बरामद, भूमि विवाद भी माना जा रहा मर्डर का कारण

• मोनी मोहंती के खिलाफ गोलमुरी, मानगो व सीतारामंडेरा में भी दर्ज हैं मामले

PHOTON NEWS JSR:

उलीडीह स्थित डिमना चौक के पास 15 नवंबर को हुए टोनी हत्याकांड के मुख्य हत्यारोपी मोनी मोहंती उर्फ चितरंजन मोहंती को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली है। मोनी मोहंती गोलमुरी के रिफ्यूजी कॉलोनी का रहने वाला है। वह पुराना शातिर अपराधी है। मोनी मोहंती के खिलाफ गोलमुरी, मानगो और सीतारामडेरा में रंगदारी और पोक्सो समेत कल 10 केस दर्ज हैं। हत्या को अंजाम देने के बाद मोनी फरार चल रहा था। बुधवार को पुलिस ने मोनी मोहंती



पत्रकारों को जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

डीएसपी के नेतत्व में बनी थी टीम: सिटी एसपी कमार शिवाशीष ने बताया कि घटना का खुलासा करने के लिए डीएसपी पटमदा वचनदेव कुजुर और डीएसपी

हेडक्वार्टर-1 भोला प्रसाद सिंह के नेतृत्व में टीम बनाई गई थी। इस टीम में उलीडीह थाना प्रभारी अमित कुमार के अलावा पुलिस अवर निरीक्षक विवेक पाल, अभिषेक कमार, हरि महतो आदि थे।

डिमना चौक के पास हर्ड थी टोनी की हत्या

15 नवंबर की रात लगभग पौने 12 टिफिन के सामने टोनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अविनाश सिंह, उत्तम मंडल और नितेश पोद्दार को पलिस नहीं गिरफ्तार कर पाई थी। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर ही रही थी, तभी इन तीनों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। बाद में इन तीनों को पुलिस ने रिमांड पर लिया और सख्ती से पूछताछ की, तो पता चला कि हत्याकोंड का मुख्य आरोपी

मोनी मोहंती ने ही चलाई थी टोनी पर गोली

घटना वाले दिन मोनी मोहंती ने ही पिस्टल से गोली मारकर टोनी सिंह को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद पुलिस ने मोनी मोहंती की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया। साकची में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सिटी एसपी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि मोनी मोहंती उलीडीह में शिव मंदिर के पास आया हुआ है। इस पर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मोनी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल बरामद हुई है।

पछताछ के बाद कारण का होगा खलासा : एसपी

घटनाएं हो चुकी हैं। हो सकता है कि इस घटना के पीछे भी जमीन विवाद का कारण रहा हो। सिटी

घटना के पीछे कुछ लोग जमीन विवाद को कारण बता रहे हैं। मानगो में जमीन विवाद में काफी

एसपी बताते हैं कि अभी उन्होंने कारण को लेकर ज्यादा गहराई से पूछताछ नहीं की है। पूछताछ

सभी नशे में थे, तभी शुरू हुआ विवाद

मोनी मोहंती ने पुलिस को बताया कि ने नशा कर रखा था। इसी बीच उत्तम मंडल और नितेश पोद्दार का टोनी सिंह और उसके दोस्त विष्णू उत्तम मंडल और नितेश पोद्दार ने अविनाश सिंह को हथियार के साथ बुलाया। अविनाश अपने साथ मोनी मोहंती को लेकर मौके पर पहुंचा। यहीं मोनी मोहंती ने टोनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना में विष्णु टुडू को भी गोली लगी थी।

उत्तम मंडल, नितेश पोद्दार, टोनी सिंह और टोनी का दोस्त विष्णु टुडू सभी उमा टिफिन के सामने खंडे थे। सभी दुडू से विवाद हो गया। इसी विवाद में

निरीक्षण करते डीआरएम तरुण हुरिया

CHAKRADHARPUR चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया बुधवार को राउरकेला पहुंचे। यहां उन्होंने झारसुगुड़ा व बिमलगढ़ सेक्शन का निरीक्षण किया। आजाद हिंद एक्सप्रेस से पहुंचे डीआरएम ने झारसुगड़ा रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों

इसके बाद डीआरएम राउरकेला होते हुए दोपहर लगभग 11.30 बजे ड्रमरता रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने नव निर्मित रेलवे स्टेशन, बंद पड़े रनिंग रूम और अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने वहां स्टेशन के प्लेटफार्म पर लाइट की व्यवस्था के अभाव, सीएमएस मशीन के सही जगह पर मौजूद नहीं होने, प्लेटफार्म पर शेड का उचित स्थान

सड़क दुर्घटना में तीन युवक हुए

थे घायल, एक की हो गई मौत

पर नहीं होने और पुराने रनिंग रूम को बंद रखने आदि पर नाराजगी अधिकारियों को इन समस्याओं को जल्द से जल्द सुधारने की हिदायत दी। इसके बाद डीआरएम अपने विशेष सेलून से बिमलगढ़ रेलवे स्टेशन रवाना हो गए। बिमलगढ़ जाते समय उन्होंने लाठीकाटा, चांदीपोश, चंपाझरण, पाटासाही आदि रेलवे स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। इन सभी स्टेशनों पर डीआरएम ने निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद डीआरएम राउरकेला होते हए चक्रधरपर रवाना हो गए। इस दौरान उनके साथ रेलवे के विभिन्न विभागों के

अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

समाचार सार

राज्य व देश का नाम रोशन करें खिलाडी : मंत्री CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो प्रखंड स्थित मौदा में



हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि मंत्री दीपक बिरुवा

मौदा द्वारा आयोजित समारोह में जिला परिषद सदस्य सह झामुमो के प्रखंड सचिव राज नारायण तुबिद, दीपक तुबिद, जीतू बारी, विश्वनाथ तुबिद, जगमोहन सिंह कुंकल, बबलू तुबिद आदि भी मौजूद थे।

बाटा रोड व्यापारी परिवार ने किया जलपान वितरण

CHAKRADHARPUR: मकर संक्रांति के अवसर पर बुधवार को चक्रधरपुर शहर के बाटा रोड में बाटा रोड व्यापारी परिवार की ओर से



वितरण किया गया। इस दौरान पकौड़ी, बैगनी, मिर्च पकौड़ा, गुलगुला, पापड़ आदि व्यंजनों का आनंद राहगीरों ने उठाया। जलपान

जितेन खिरवाल, मोहित खिरवाल, भोला भगोरिया, सुरेश बर्मन, संजय खिरवाल, मनोज अग्रवाल, गिरधारी पोद्दार आदि सक्रिय रहे।

आदित्यपुर-गम्हरिया में शराब भट्टी पर छापेमारी

SERAIKELA: आबकारी विभाग ने बुधवार को आदित्यपुर व गम्हरिया



आदित्यपुर स्थित सपड़ा, उत्तमडीह और गम्हरिया थाना अंतर्गत गांडेडुंगरी में छापेमारी के दौरान 900 किलोग्राम जावा महुआ नष्ट

किया गया और 60 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया' संचालकों को चिह्नित किया जा रहा है, जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया जाएगा।

दुसु मेला में शामिल हुए मंत्री रामदास सोरेन



GHATSILA: दिगड़ी डैम के पास बुधवार को टुसु मेला लगा था, जिसमें शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन भी शामिल हुए। यह मेला आखान जात्रा के अवसर पर लगभग 40 वर्ष से लग रहा है। मकर संक्रांति के दूसरे दिन यह मेला लगता है। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, प्रखंड अध्यक्ष वकील हेम्ब्रम, काजल डॉन,

कालीपद गोराई, गोपाल कोउरी आदि भी उपस्थित थे।

टाटा-जम्मूतवी एक्सप्रेस अमृतसर में होगी शॉर्ट टर्मिनेट

JAMSHEDPUR: दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने रेलवे में हो रहे विकास कार्यों के कारण टाटानगर-जम्मृतवी-टाटानगर एक्सप्रेस को अमृतसर में शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया है। रेलवे के सर्कुलर के अनुसार ट्रेन नंबर-18101 टाटानगर-जम्मृतवी एक्सप्रेस को 30 जनवरी से 4 मार्च तक अमृतसर में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। वहीं ट्रेन नंबर-18102 जम्मूतवी- टाटानगर एक्सप्रेस 2 जनवरी से 7 मार्च तक अमृतसर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

नेहरू कॉलेज के शिक्षकेतर कर्मचारियों की हड़ताल शुरू

CHAKRADHARPUR: कोल्हान विश्वविद्यालय से संबद्ध जवाहर लाल नेहरू कॉलेज, चक्रधरपुर के शिक्षकेतर कर्मचारी 15 जनवरी से दो



दिनों तक कलमबंद हड़ताल पर रहेंगे। ये लंबित मांगों के लिए आंदोलनरत हैं। इसके अलावा 10 जनवरी को सिदो-कान्हू मुर्मू विवि में कर्मचारियों के आंदोलन को

तोड़ने के लिए की गई कार्रवाई का भी विरोध कर रहे हैं।

वीमेंस यूनिवर्सिटी की छात्राएं जाएंगी दिल्ली JAMSHEDPUR : जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की एनसीसी कैडेट



चांदमणि प्रधान और हेमंती पातर दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड में भाग लेगी। दिल्ली के राजपथ पर होने वाली परेड के लिए इन दोनों कैडेट का चयन हुआ है। कुलपति प्रोफेसर डॉ. अंजिला

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होना गर्व की बात है।

जारी है। पूछताछ पूरी होने के बाद ही हत्या का मुख्य कारण पता चलेगा। रेलवे आरक्षण केंद्र से पकड़ी गई ४ महिला टिकट दलाल



CHAKRADHARPUR

चक्रधरपुर रेल मंडल राउरकेला रेलवे स्टेशन बुधवार सुबह करीब 8 बजे सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने रेलवे आरक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आरक्षण केंद्र में मौजूद लोगों के फॉर्म की जांच की। जांच के दौरान चार महिलाओं के फॉर्म में संदेह होने के कारण उन्हें आरपीएफ के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में पता चला कि ये चारों महिलाएं टिकट की दलाती करती थीं।

नवोदय विद्यालय की दाखिला परीक्षा १८ को

JAMSHEDPUR : जवाहर नवोदय विद्यालय में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 18 जनवरी को होगी। इस परीक्षा के लिए पर्वी सिंहभूम जिले में 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां कुल 6225 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर कदाचारमुक्त तरीके से परीक्षा आयोजित करवाने के लिए कई निर्देश दिए गए हैं। बताया गया कि प्रति 24 परीक्षार्थी पर एक शिक्षक क्लासरूम में ड्यूटी करेंगे। गहन जांच के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया जाएगा। परीक्षा दोपहर 11.30 बजे से 1.30 बजे तक होगी। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र एडिमट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं और परीक्षा केंद्र पर सुबह 10.30 बजे रिपोर्ट करें। मालूम हो कि इस प्रवेश परीक्षा के जरिए जवाहर नवोदय विद्यालय की छठवीं कक्षा में दाखिला मिलेगा।

कलुंगा स्टेशन पर खडे इंजन को चोरों ने बनाया निशाना

CHAKRADHARPUR

कलुंगा रेलवे स्टेशन में मंगलवार की रात चोर गिरोह ने स्टेशन पर खड़े एक मालगाड़ी के इंजन को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार, रात करीब 10.30 बजे खड़ी मालगाड़ी के पीछे वाले रेल इंजन पर कुछ असामाजिक तत्व चढ़ गए। वे इंजन से कुछ केबल और इंजन की चाबी चुराकर भाग गए। मालगाड़ी के दूसरे इंजन में मौजूद ट्रेन चालक ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी, जिसके बाद अधिकारी हरकत में आ गए। इसे लेकर काफी देर तक



GHATSILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में कोकपाडाँ टोल प्लाजा के समीप बधवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें दोनों बाइक सवार घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से कोकपाड़ा टोल प्लाजा के एंबुलेंस से घायलों को अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया। अनुमंडल अस्पताल में चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जानकारी के अनुसार, घायल इंद्रजीत मुंडा अपने ससुराल एकताल जा रहा था, तभी दूसरा बाइक सवार अविनाश सबर सामने आ गया। इस दर्घटना में गंभीर रूप से घायल इंद्रजीत मुंडा को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया गया। वहीं अविनाश सबर का इलाज अनुमंडल अस्पताल

दो बाइकों की टक्कर में दो लोग हुए घायल



सरायकेला में ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में हुई दुर्घटना PHOTON NEWS SERAIKELA: सरायकेला जिले के एनआर प्लस टू हाई स्कूल के पास मंगलवार रात मेला देखने जा रहे तीन दोस्त सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान बुधवार सुबह एक युवक की मौत हो गई, जबिक दो अन्य का इलाज जारी है। मृत युवक की पहचान सोमचंद मार्डी (20) के रूप में हुई है। वह गम्हरिया थाना रोड का निवासी था। उसके चाचा नारायण हांसदा ने बताया कि सोमचंद रात करीब 11.30 बजे अपने दो दोस्तों के साथ मेला देखने घर से निकला था। उसी



को ओवरटेक करने के चक्कर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में सोमचंद और उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान सोमचंद की मौत हो गई। मृतक के साथ घायल हुए दो अन्य दोस्त प्रेम हांसदा और जान

ट्रक चालक फरार

दौरान ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक सोमचंद के दो बच्चे थे और वह पिछले दो साल से गम्हरिया थाना मोड स्थित अपने ससुराल में रह रहा था। उसके माता-पिता चांडिल थाना क्षेत्र के नागाडीह में रहते हैं। दुर्घटना के बाद इलाके में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर

हांसदा में जानू की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। उसका इलाज भी एमजीएम अस्पताल में चल

जुबिली पार्क के पास तंबाकू उत्पादों की हुई जांच, जुर्माना



चाय की दुकान पर जांच करने पहुंचीं एसडीओ शताब्दी मजूमदार

JAMSHEDPUR : उपायुक्त के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम शताब्दी मजूमदार के नेतृत्व में बुधवार को जुबिली पार्क के पास की दकानों में तंबाक उत्पादों की जांच की गई। इस दौरान ग्रेजएट कॉलेज. टैगोर एकेडमी, कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास के क्षेत्र की दुकानों में छापेमारी के दौरान तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए। सभी पर जुमार्ना भी लगाया गया। जब्त किए गए तंबाकू उत्पाद की सीजर लिस्ट बनेगी और इसे नष्ट किया जाएगा। वहीं कुछ चाय दुकानों में मिलावट की शिकायत पर चाय का सैंपल भी लिया गया। इसे जांच के लिए राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला, नामकुम भेजा जाएगा। जांच दल में कार्यपालक दंडाधिकारी चंद्रजीत सिंह व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मंजर हुसैन भी शामिल थे। अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम ने बताया कि स्कूल व कॉलेज के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री करना निषेध है।



एनएच पर ई-स्कूटी जलकर हुई खाक

GHATSILA: गालुडीह थाना क्षेत्र के महलिया चौक के आगे एनएच-18 पर ई-स्कूटी जलकर खाक हो गई। यह घटना बुधवार की दोपहर लगभग 2 बजे की है। स्कूटी जमशेदपुर की ओर से आ रही थी। वाहन सवार युवक ने बताया कि वह स्कूटी लेकर घाटशिला जा रहा था। गालूडीह थाना प्रभारी ने इस तरह की घटना से अनिभज्ञता जताई।



पीपीपी ट्रॉफी क्रिकेट-2025 प्रतियोगिता की तैयारी शुरू



CHAKRADHARPUR : नगर परिषद के विवाह भवन में बधवार को विधायक सुखराम उरांव की अध्यक्षता में चक्रधरपुर के प्रबुद्ध लोगों की बैठक हुई। इसमें कई सालों से बंद पड़े प्ले फॉर पीस एंड प्रोग्रेस (पीपीपी) ट्रॉफी-2025 क्रिकेट प्रतियोगिता पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। प्रतियोगिता के लिए संचालन समिति का गठन किया गया, जिसमें प्रायोजक की जिम्मेदारी सांसद जोबा मांझी व विधायक

सखराम उरांव ने ली। संचालन समिति में नारायण अग्रवाल, शीन अनवर, बैरम खान, बबई दा, शेष नारायण लाल, डॉ. शिवपूजन सिंह, चुन्नू रहमान, निक्कू सिंह, गुड़ू सिंह, अवध खिरवाल, जय कुमार व दीपक पान को शामिल किया गया है। शेष नारायण लाल व गुड़ू सिंह ने बताया कि यह क्रिकेट प्रतियोगिता चक्रधरपुर की भाईचारगी, सौहार्द, अपनत्व, उन्नति, विकास के लिए

आयोजित किया जा रहा है।

सूर्य मंदिर समिति के पतंग महोत्सव में युवाओं का दिखा उत्साह, दिखी सामाजिक समरसता की झलक

रंग-बिरंगी पतंगों से सजा आसमान, रघुवर दास ने भी उठाया आनंद

PHOTON NEWS JSR:

सूर्य मंदिर समिति द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर पहली बार भव्य पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। बुधवार को आयोजित इस महोत्सव में सिदगोड़ा और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवक और युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पतंग महोत्सव में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास सपरिवार एवं संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह के अलावा जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू भी मौजूद रहीं। महोत्सव में पत्रकार जगत से जुड़े कई प्रमुख लोग भी शामिल रहे। युवाओं ने महोत्सव के दौरान रंग-बिरंगी पतंगों ने आसमान को सजा दिया। प्रतिभागी अपने-अपने पतंगों को ऊंचाई तक

ले जाने और दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने में जुटे रहे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने स्वयं पतंग उड़ाया और युवाओं को प्रोत्साहित किया। इससे पहले, मकर संक्रांति के अवसर पर भगवान भास्कर की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसमें रघुवर दास उनकी धर्मपत्नी रुक्मिणी देवी, पुत्र ललित दास एवं पुत्रवधू पूर्णिमा साहू ने भाग लिया। भगवान भास्कर की आराधना कर यज्ञ-हवन किया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। महोत्सव के पश्चात सोन मंडप परिसर में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं के बीच भोग प्रसाद के रूप में खिचड़ी, चोखा, चटनी और अचार का श्रद्धापूर्वक वितरण किया गया। प्रसाद वितरण



की व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। इसके अलावा, पेयजल के लिए अलग काउंटर की व्यवस्था की गई थी। प्रसाद वितरण में सामाजिक समरसता की झलक

देखने को मिली। इस अवसर पर

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के उत्तरायण होने का प्रतीक है, जो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, नई शुरूआत और आशा का संदेश देती है। मकर संक्रांति के महत्व को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पर्व-त्योहारों को इस प्रकार रचा कि वे न केवल हर्षोल्लास का माध्यम बनें, बल्कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को भी सहारा प्रदान करें। दीपावली में कुम्हारों के जीवन में बदलाव आता है, रक्षाबंधन में राखी बनाने वालों को रोजगार मिलता है और मकर संक्रांति पर पतंग बनाने और बेचने वाले परिवारों के जीवन में खुशी

कहा कि पतंग उड़ाने की परंपरा, जो हजारों वर्षों से चली आ रही है, केवल आनंद का साधन नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर और जीवन के ऊंचे आदर्शों का प्रतीक है। रंग-बिरंगी पतंगें, जो आसमान को छूती हैं, हमारी उम्मीदों और सपनों को ऊंचाई भरने और सामाजिक समरसता का भी संदेश देती हैं।

दुसु प्रदर्शनी में हाड़ीमारा गांव को मिला प्रथम पुरस्कार



SONUA: पश्चिमी सिंहभूम जिले मे

सोनुवा के गजपुर में बुधवार को टुस् मेला लगा, जिसमें हाड़ीमारा गांव की प्रथम, सरासपोस गांव को द्वितीय और निश्चिंतपुर गांव को तृतीय पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में महिलाओं ने दुसु प्रतिमा और दुसु चौड़ल को साथ लेकर दुसु गीतों पर आकर्षक सामूहिक नृत्य किया। सोनुवा के गजपुर गांव में आदिवासी कुड़मी समाज द्वारा आयोजित मकर मिलन समारोह और टुसु प्रदर्शनी में पुरुलिया से आए नरहरि महतो ने कुड़मी समाज की भाषा, संस्कृति और परंपरा के साथ दुसु के बार्र में महत्वपूर्ण जानकारी दी।





अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले घोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृतिं से बखूबी परिचित कराते हैं।

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्रैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्ज़री नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, जिप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ट विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा

जस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक

चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मृतियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे

में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस

है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले

धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिऋमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अणीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्ट्रमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैक्उट मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने

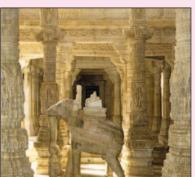
प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिऋमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिऋमा मार्ग अत्यंत लुभावना

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधात् की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।



भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को





बसा रणकप्र जैन मंदिर

चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की िनिर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी ि निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं। विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव

कर इसे एक नया रूप

इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है। मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य उसने मंदिर के पुनरुद्धार में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने कार्य को कुशलतापूर्वक



दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिहन भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय

> कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में निलनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो



पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर

> के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा



रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका। वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा

भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थाुन में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्गः- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्गः- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का



भीषण आग से अमेरिका ही नहीं, दुनिया सबक ले

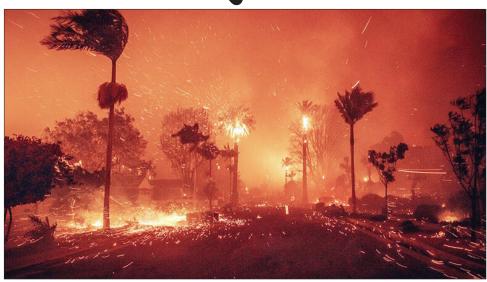


आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एव प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सुष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं।

मेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे

अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है- यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितयों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा।

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजुद आग बेकाब है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम



से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढे हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी. जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सुखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेंबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़,

हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए

दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है। आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। जिद एवं अहंकार में बाजी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है। ह्यमन जो चाहे वहीं करोह्न की मानिसकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दिकयानसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे देशों एवं लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पिक्षयों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

संपादकीय

सही दिशा में कश्मीर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कश्मीर के गांदरबल जिले में 6.5 किमी. लंबी जेड़ मोड़.सुरंग का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि यह ताज और सुंदर तथा समृद्ध हो।' उन्होंने आगे यह भी कहा, 'मैं बस इतना चाहता हूं कि दूरियां अब मिट गई हैं, हमें मिल कर सपने देखना चाहिए, संकल्प लेना चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए।' लेकिन इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का दिया गया भाषण ज्यादा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक है, जिसके अनेक निहितार्थ निकाले जा सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि 'पंद्रह दिन के अंदर पहले जम्मू को रेलवे ड़िवीजन और अब टनल, इन परियोजनाओं से न सिर्फ दिल की दूरी, बल्कि दिल्ली से दूरी भी कम हो जाती है। प्रधानमंत्री मोदी के भाषण का उल्लेखकरते हुए मुख्यमंत्री उमर ने कहा, 'मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द जम्मू-कश्मीर के लोगों को किया गया अपना तीसरा वादा भी पुरा करेंगे, जो राज्य का दर्जा बहाल करना है।' मुख्यमंत्री के भाषण से प्रतीत होता है कि उनका कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मोहभंग हुआ है और उन्होंने अच्छी तरह से समझ लिया है कि अगर जम्मू-कश्मीर का विकास करना है और यहां व्यवस्थित सरकार चलाना हे ता प्रधानमत्रा मोदों के सहयोग से ही चला सकते हैं, टकराव से नहीं। अगर मोदी का सहयोग मिलता रहेगा तो केंद्र का अनावश्यक हस्तक्षेप भी नहीं होगा। जाहिर है कि इस पर्वतीय प्रदेश में राज्य सरकार और केंद्र के बीच सहयोग से ही लोकतंत्र मजबूत होगा, शांति और स्थिरता आएगी। आतंकवाद और अलगाववाद परास्त होगा। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिएये आवश्यक शर्त है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान राज्य में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। संतोषजनक विकास भी हुआ है जिसके कारण पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला है। राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने भाषण के जरिए समझदारी का परिचय दिया है और अच्छी बात यह है कि यहां के मुसलमान भी अच्छी तरह समझने लगे हैं कि कश्मीर का भविष्य अस्थिर, अराजकताग्रस्त और आर्थिक रूप से संकटग्रस्त पाकिस्तान जैसे देश के साथ नहीं है, बल्कि भारत जैसे लोकतांत्रिक, स्थिर और आर्थिक रूप से मजबृत देश के साथहै। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कश्मीरी अवाम की इसी सोच का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं।

सर्द मौसम की ठिठुरन में धधकता सियासी गलियारा आम आदमी पार्टी आगे भी दिल्ली की कुर्सी पर



जधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे की चादर ने जहां आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित करके रख दिया है, वहीं सियासी गलियारा नेताओं की जुबानी जंग से गरमाया हुआ है। इस चुनावी बेला में कोई किसी को चोर तो कोई महाचोर कहने से गुरेज नहीं कर रहा है। इस तरह सफेदपोशों को एक-दूसरे के दामन में दाग ही दाग नजर आ रहे हैं, जिन्हें सत्ता के डिटरजेंट से साफ करने की जुगाड़ भिड़ाने में भी कोई पीछे नहीं रहना चाहता है। घने कोहरे के कारण दृश्यता का बहद कम हा जाना काई नई बात नहां है, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी दृष्यता जो पहले कभी साफ नजर आती थी, फिलहाल भ्रमित करने वाली प्रतीत हो रही है। इसकी मुख्य वजह गठबंधन से इतर सभी अपना-अपना दांव खेलने को आतुर हैं। जो पहले कभी दोस्ती की डींगें हांकते थे वो भी खानदानी दुश्मनों की तरह, एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहा रहे हैं। ऐसे हालात में मौजूदा

विराजमान रहेगी या फिर कांग्रेस या भाजपा किसका दांव सफल होगा यह देखने वाली बात है। आखिर अगली सरकार किसकी होगी? जीत के दावे तो सभी अपने स्तर पर कर ही रहे हैं। जीतने के माकूल कारण भी बखूबी गिनाए जा रहे हैं, लेकिन जनता-जनार्दन जिसे इसका फैसला करना है वह मूक दर्शक बनी सभी को परखने में लगी हुई है। खास बात यह है कि मुफ्त की रेबड़ियां बांटने में कोई पीछे नजर नहीं आ रहा है। इसलिए काम और लोक-लुभावन वादों से चुनाव जीतने वाला फामूर्ला इस समय लागू होता नहीं दिख रहा है। जहां तक चुनावी तैयारी की बात है तो यहां चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित करता उससे पहले ही आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए बतला दिया था कि उसके आगे किसी और की चलने वाली नहीं है। यह अलग बात है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर शिकंजा कसा हुआ है और वो बहुत ज्यादा दायं-बांय नहीं हो सकते हैं। मौजुदा सीएम आतिशी पर भी चुनाव आचार संहिता को लेकर मामला दंज कराया जा चुका है। मतलब साफ है कि तू डाल-डाल तो मैं पात-पात वाली कहावत को चरितार्थ किया जा रहा है। वैसे भी सवाल यह है कि केंद्र में रहते हुए भाजपा आखिर ऐसा कैसे होने दे सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और खासतौर पर भाजपा दिल्ली चुनाव को लेकर खासी गंभीर नजर आ रही है। अतः पिछले चुनावों की ही तरह इस चुनाव में भी भाजपा नेता लगातार साम-दाम, दंड, भेद की नीति को अपनाए हुए हैं और कोशिश में हैं कि किसी भी तरह से इस बार दिल्ली उनके पाले में आ जाए। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी सत्ता की कमान संभालने के बावजूद हमेशा ही चुनाव मोड में रहते आए हैं। हर कार्य को चुनावी तराजु में तौलने का कार्य बखूबी किया जाता रहा है। यही वजह है कि सरकारी योजनाओं से लेकर आधारशिलाएं रखने और उद्घाटन करने तक को चुनावों को साधने वाला बताया जाता रहा है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि इस ठिठुरन में भी प्रधानमंत्री मोदी राजधानी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक लोगों को लुभाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं दे रहे हैं। यहीं वजह है कि चुनावी विश्लेषक कहते दिख जाते हैं कि इस बार दिल्ली में कुछ नया होने वाला है। इस बात में दम भी है, क्योंकि कोहरे के बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मुंबई के लिए पीएम मोदी जहां उड़ान भरते हैं, वहीं भाजपा नेता दिल्ली चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कमर कस गलि-मोहल्ले में निकलते दिखे हैं। इस ठिठुरन भरी सुबह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादा न दिल्ला के इदिरा गांधा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्ड से मुंबई के लिए उड़ान भरी। मुंबई पहुंचे तो वहां पर नौसेना के तीन प्रमुख युद्धपोत - आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि, और आईएनएस वाघशीर - को राष्ट्र को समर्पित कर मोदी है तो मुमिकन है वाला संदेश भी दे दिया। वैसे यह सच है कि नौसैना को समर्पित युद्धपोत वाकई भारत की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मील का

पत्थर साबित होने जैसा ही काम है। इन सब से हटकर यदि बात कांग्रेस की करें तो वह भी किसी भी स्तर पर अन्य से पीछे नहीं दिख रही है। यही वजह है कि इस सर्द सुबह और कोहरे के बीच कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल्लकार्जुन खड़गे नई दिल्ली में पार्टी के नए मुख्यालय इंदिरा भवन का उद्घाटन करते नजर आ गए हैं। इस खास मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व वायनाड सांसद प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता व अनेक नागरिक उपस्थित थे। इससे यह संदेश जाता है कि कांग्रेस इस बार दिल्ली चुनाव में अपने पूरे दम-खम के साथ उतरी है और कुछ बेहतर करने की दृड़ इच्छा रखती है। पहले कभी कांग्रेस का गढ़ रही दिल्ली अब एक बार फिर कुछ नया करके दिखाने को आतुर दिख रही है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सरकार बदल जाएगी और रजनीति थम जाएगी, बल्कि चुनाव से लेकर चुनाव बाद तक सियासी गलियारा धधकता रहने वाला है। इसकी मुख्य वजह प्रमुख नेताओं पर जो केस चल रहे हैं और लगातार मामले दर्ज हो रहे हैं उसका दुरगामी परिणाम भी इस चुनाव में असर छोडने वाला है। अंततः दिल्ली का मतदाता क्या सोचता है और किसे अपना हितैषी मानता है यह तो उसके मन की बात है। बावजूद इसके आम आदमी पार्टी ने जिस तरह से दिल्ली सरकार को चलाया और लोगों को अपने कार्यों और निर्णयों से जोड़े रखा उससे संदेश तो यही जाता है कि उससे सत्ता छीनना भाजपा और कांग्रेस के लिए टेढ़ी खीर साबित होने वाला है।

प. बंगालः तृणमूल में 'खेला' तो होगा



ला होबे', खेला होबे', यानी खेल होगा, खेल होगा? वाले जिस लोकप्रिय चुनावी नारे के बलबूते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2021 (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समेत तमाम विरोधी दलों को धूल चटाते हुए चुनावी रण से बाहर का रास्ता दिखाया था, मौजूदा समय में वही 'खेला' टीएमसी के भीतर होते दिख रहा है। बुआ (ममता बनर्जी) और भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के बीच इन दिनों जो चल रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि जल्द ही टीएमसी में भी कुछ बड़ा 'खेला' होने वाला

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ-भतीजे में मतभेद की खबरें आती रही हैं, लेकिन बीते दिनों अभिषेक के करीबी और विश्वासपात्र माने जाने वाले दो नेताओं (पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन और अराबुल इस्लाम) को बाहर का रास्ता दिखा कर ममता ने बताने की कोशिश की है कि पार्टी में सर्वेसर्वा केवल वे ही हैं। टीएमसी के कुछ नेता यह जरूर चाहते हैं कि भुआ-भतीजे का विवाद जल्द समाप्त हो जाए लेकिन विपक्ष विशेषकर भाजपा चाहती है कि भुआ-भतीजे के बीच दूरियां जितनी बढेंगी, आगामी विधानसभा चुनाव में जीत उसके उतनी ही करीब



होगी। मालूम हो कि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं। गत लोक सभा चुनाव में राज्य में मिली करारी हार के बाद भाजपा अभी तक सूबे में अपना संगठन मजबूत नहीं कर पाई है। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन चाहे मजबूत हो न हो, लेकिन टीएमसी का संगठन जरूर कमजोर हो जाए। सांगठनिक ताकत के तौर पर वाम मोर्चा और कांग्रेस भी नये सिरे से अपनी शुरू आत के पक्ष में हैं। 2011, 2016 और 2021 में जीत यानी हैट्रिक लगाने वाली टीएमसी अपना घर ठीक से नहीं चला पा रही है। ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया हैं, तो अभिषेक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं। सभी जानते हैं कि ममता के बूते ही अभिषेक को पहचान मिली, कई दफा सांसद बनने का मौका मिला और पार्टी में महासचिव जैसा महत्त्वपूर्ण पद भी, लेकिन अब अभिषेक की महत्त्वाकांक्षा और पार्टी में दखलअंदाजी बढ़ गई है, जो ममता को रास

नहीं आ रहा।

अंदरखाने सूत्रों ने बताया कि इन दिनों भुआ-भतीजे के रिश्ते में पहली वाली मधुरता नहीं है। दोनों के बीच कई बार मतभेद और रार हो चुकी हैं, लेकिन अब लड़ाई सतह पर आती नजर आ रही है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत पर न पड़े, इसे लेकर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी दो खेमे में बंट गई है। एक खेमा है ममता बनर्जी का. जिसमें वे नेता शामिल हैं, जो टीएमसी के संघर्ष के दिनों से ममता के साथ हैं। दुसरा खेमा है अभिषेक का जिसमें अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्होंने टीएमसी के एक मुकाम पर पहुंचने के बाद 'जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिन्ह) थामा था। ऐसे में टीएमसी नयेझपुराने नेताओं में बंटती नजर आ रही है।

टीएमसी में महीनों से विवाद जारी है, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मतभेदों का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। पहले अभिषेक कोलकाता के

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित रेप और हत्या के मामले में राज्य सरकार के रवैए की आलोचना करने वाले कलाकारों के बहिष्कार के मुद्दे पर पार्टी के कुछ नेताओं से असहमत थे, लेकिन अब ममता ने अपने भतीजे के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत और सूबे की राजनीति पर कितना पड़ेगा, यह जानने के लिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भुआ-भतीजे के सुर नहीं मिलने से संगठन के चुनाव में दिक्कतें आ रही हैं।

हाल में भांगड़ में अराबुल इस्लाम और सावकत मोल्लाह के बीच गुटीय संघर्ष की बात सामने आई। दोनों एक-दूसरे को टीएमसी का सदस्य मानने से भी कतरा रहे थे। अंततः अराबुल को निलंबित कर दिया गया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक साथ रेप और हत्या के बाद से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगातार मुखर रहे टीएमसीके पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। शांतनु सेन को राजनीतिक हल्कों में अभिषेक का करीबी माना जाता है। टीएमसी ने उन्हें पार्षद से राज्य सभा सांसद बनाया। अभिषेक की मेहरबानी से चिकित्सकों के संगठन के अखिल भारतीय अध्यक्ष बन गए थे। पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर किया। राजनीति के पंडित इस निलंबन के पीछे भी विशेष रणनीति देख रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि टीएमसी में निलंबन की बात कब उठती है, यह भी स्पष्ट नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि निलंबन की घोषणा उन जयप्रकाश मजूमदार ने की जो कभी भाजपा में थे। अभिषेक के दोनों करीबियों के निलंबन को लेकर सूबे की राजनीति में उथल-पुथल मची है। चर्चा है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह ह्यखेला' कहां तक चलेगा और कहां जाकर खत्म होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Trump's new term draws near amid scepticism Disclosure curbs enfeebling RTI law

AS the United States readies for the inauguration of Donald Trump as its 47th President, I have a sense of déjà vu. Trump's swearing-in as the 45th President is the only presidential inauguration that I skipped since I was posted to Washington as a foreign correspondent in the final full year of the Bill Clinton presidency 26 years ago.

I skipped the ceremonies on the advice of bipartisan political contacts and reliable security sources. Behind their well-meaning advice was the primary fact that I am a journalist. My badge at the inaugural ceremonies would identify me as one. Moreover, I would be in the media enclosure near the Reflecting Pool, which, on a clear day, will reflect the swearing-in of new presidents on the steps of Capitol Hill. During that poll season which saw Trump emerging victorious, the Republicans treated the media as an enemy. This was not entirely without reason. The bulk of the US media — especially the mass subscription liberal media on the east and west coasts — was unfair to Trump throughout the campaign. He did not have a level playing field in dealings with American journalists.I am brown in complexion. Black people are an inalienable part of the US social fabric. If they are trifled with by rednecks in a city like Washington, which is predominantly black, there will be consequences for the perpetrators of white racism. Not so with the brown-skinned minuscule minority, who are also meek compared to African Americans. This also shows very visibly in the ongoing mud-slinging against H-1B immigrants. The underlying anger which culminated in the January 6, 2021, riot on Capitol Hill was already there when Trump was being sworn in for the first time. Trump began his presidency with a peeve that the US media had deliberately under-reported the crowds at his inauguration. If the most important day of a person's political life begins with a grievance against the institution of the Fourth Estate, he is likely to spend the rest of his public life undermining that institution. Never mind that the Fourth Estate is one of the pillars of democracy in the US. Trump did not succeed in this destructive mission as President. That was not for want of trying every day for four years from 2017.

But his next presidency may be different. The spate of resignations in the mainstream American media in recent weeks — including the dissolution and reconstitution of the Editorial Board of The Washington Post in October — are ominous. Partisan new owners of legacy media have chosen to kow-tow to Trump even before he has moved into the White House. Social media will mostly be the new President's facilitator instead of an outlet for free expression. Meta's latest decision to get rid of independent, third-party fact-checkers in the US is the latest assault on truth in that country.

A saving grace is that institutions in the US are strong. That is why they survived the tenure of the 45th President. Officers of the Metropolitan and Capitol Police paid with their lives to save the high-domed edifice, which is emblematic the world over, of the oldest democracy on earth. On January 20, they will once again be prepared to offer the ultimate sacrifice to protect those they may not personally like and whom they have voted against in Washington, Maryland and Virginia, the tri-points which are similar to the National Capital Territory (NCT) surrounding Delhi. In a tribute to the strength of America's institutions, law enforcement agencies are allowing demonstrations against the incoming President. A major rally in Washington in support of Trump is also planned on the day before he takes office. It is praiseworthy that in a media briefing last week, US Secret Service spokesperson Anthony Guglielmi said such demonstrations are not being viewed as security threats and upheld the rights of people to protest. There are few other countries where this can happen. The Secret Service is the lead agency in charge of security at the presidential inauguration. Unlike the run-up to Trump's first swearing-in and the start of Joe Biden's presidency soon after the violent attack on the Capitol, fate ordained that there would be a dress rehearsal of safeguards on a presidential scale during all of last week.

THE Supreme Court's recent ruling on the Right to Information (RTI) Act has invited widespread comment and much appreciation from activists. "An institution has been created," said Justice Surya Kant; he then pointedly asked Additional Solicitor General Brijender Chahar, appearing for the Union of India, "What is the use of this institution if you do not have persons to perform the duties under the law?"The Bench asked the government why only people from a specific background (bureaucracy) were the favoured few to be appointed information Thus that writ petition was disposed. That order, commissioners. "We can take judicial notice of how

many people from different walks have been appointed... The entire Commission is overloaded with one set of candidates," was Justice Kant's telling comment.Advocate Prashant Bhushan, appearing for RTI activist Anjali Bhardwaj, had pleaded, "There has been only regression and not progress after the court's intervention. They are killing the RTI because nobody is interested in giving information. So, the best way to kill the law is to render the information commissions defunct."

The intervention in question was the decision on a writ petition (civil) of 2019, of which the present ruling is a follow-up. Justice AK Sikri, a judge with high sensitivity to the nuances of the RTI Act, had referred to a report published in March 2018, titled,

'Report Card on the Performance of Information Commissions in India'. It found that eight information commissions had a waiting time of more than one year for an appeal or complaint to be heard, which was calculated on the basis of the number of appeals and complaints pending as on October 31, 2017, as against the monthly disposal rate. By not filling vacancies in information commissions in a timely manner, the Central and state governments are, in his view, frustrating the very purpose of the RTI Act as receiving information in a time-bound manner is the 'very essence' of the law. The judgment directed in Conclusion (v): "We would also like to impress upon the respondents to fill vacancies, in future, without any delay. For this purpose, it would be apposite that the process for filling of a particular vacancy is initiated one to two months before the date on which the vacancy is likely to occur so that there is not much time lag

between the occurrence of vacancy and filling up of the said vacancy."The ruling added: "We would like to place on record that aforesaid directions are given keeping in view the salient purpose which the RTI Act is supposed to serve. This Act is enacted not only to subserve and ensure freedom of speech. On proper implementation, it has the potential to bring about good governance, which is an integral part of any vibrant democracy. Attaining good governance is also one of the visions of the Constitution."

Much remains to be done by the Supreme Court to ensure effectiveness of the Act

followed as it is by Justice Kant's enforcement order,



no doubt merits appreciation by the public, to whom the right to freedom of speech belongs under Article 19(1)(a) of the Constitution, and therefore, ownership of the right to any information held by its server, which is the government that it elects.

Yet, in so lauding the judgment, it is well to remember that the apex court has much to answer for in enfeebling the exercise of this right by the citizenry, having gone so far as to exceed its own brief, which is limited, by actually amending the Act.

Former Information Commissioner Shailesh Gandhi, who served with me in the Central Information Commission (CIC) that I chaired and is now a leading RTI activist, lamented in a recent article in The Leaflet that "our right to information is being transformed into a right to deny information before our very eyes". After quoting from the Supreme Court ruling in P Ramachandra Rao vs State of Karnataka (2002), which lays down the limits of any court's jurisdiction in ruling on any law as, "Courts can declare the law, they can interpret the law, they can remove obvious lacunae and fill the gaps but they cannot entrench upon the field of legislation properly meant for the legislature", Gandhi cites the court's decision of 2012, unremedied thus far, in Girish Deshpande vs Central Information Commission & Others.Relying on the clause to protect privacy under Section 8(1)(j) of the Act, the judge went on to give licence to refuse most information at will to public information officers, first appellate authorities, information

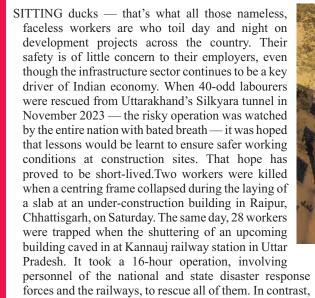
> commissioners and courts. This ruling can and indeed has too often been used to deny information for which the Act mandates suo motu disclosure under Section 4.The Supreme Court gave no reasoning for this unequivocal conclusion, but merely stated that the information sought was 'personal' and need not be given unless a larger public interest could be demonstrated. It chose to ignore whether the information sought stemmed from a public activity or whether or not its disclosure would amount to an unwarranted invasion of the privacy of the individual, which are provisions enunciated in the Act and have been elucidated repeatedly by rulings of the CIC and the courts.It is necessary to consider the areas in which reasonable restrictions

can be placed on the RTI while denying information on the grounds of privacy. These are defined in Article 19(2) of the Constitution and can be encapsulated in two words: 'decency' and 'morality'. Transgression of either would amount to an invasion of privacy. Yet, Justices KS Radhakrishnan and Dipak Misra have given short shrift to these limits and constricted the Act itself in a judgment repeatedly taken recourse to by those in authority seeking to deny disclosure.

And so, while we might heave a sigh of relief at the stand taken to uphold the spirit of our Constitution by the SC, we should urge the revered institution that much remains to be done not only to make the instruments of enforcement — Central and state information commissions — useful but also to ensure the effectiveness of the law to uphold what has been described by the court as a constitutional

Workers in peril

Paying the price for employers' negligence





frantic efforts to save labourers from a watery grave in a flooded rat-hole coal mine in Assam have proved futile. Criminal negligence is at the core of such mishaps, even

as the rescuers put their own lives at risk to extricate survivors. Brazen disregard for the law by public or private entities shows enforcement agencies in a poor light. Why are the humble workers not regarded as nation-builders? Why are they left to fend for themselves? Such apathy does not behove a country that aspires to become developed (Viksit) by 2047. The Buildings and Other Construction Workers Act, 1996, puts the onus on employers to set up safety committees and ensure that steps are taken to prevent accidents. Noncompliance with provisions of the Act is a punishable offence, yet offenders rarely get their just deserts. For the hapless worker, there won't be a

miraculous escape every time. He or she deserves a safety

net — financial as well as physical.

Legal framework to protect digital data must be flexible

The goal of the draft DPDP Rules is to strike a balance between the right to privacy and technological advancement.

THANKS to our growing digital dependence, the majority of our personal data is now in the digital form. To facilitate the implementation of the Digital Personal Data Protection Act, 2023, which creates a framework for processing digital personal data in India, the Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY) has created the draft Digital Personal Data Protection (DPDP) Rules, 2025.

By providing necessary details and in an effort to strike a balance between the need to process personal data for legitimate purposes and the right of individuals to protect their data, it seeks to fortify the legal framework for the protection of digital personal data. The government has given stakeholders 45 days to give inputs or comments on the draft rules. The journey of data protection legislation is intiguing. The World Economic Forum (WEF) started a project called "Rethinking Personal Data" in 2010 to deepen the collective understanding of how a principled, collaborative and balanced personal data ecosystem can evolve. The main goals of the General Data Protection Regulation (GDPR), which was created by the European Union in 2018, are to simplify the to improve individuals' ownership and rights over their personal data. In fact, the UK also kept the law even after breaking with the EU. Additionally, countries such as Brazil, South Korea, South Africa, Japan and Turkey — and the American state of California — adopted the GDPR as a model for protecting personal data. China's Personal Information Protection Law became operative in November 2021.In today's social media-driven world dominated by the Big Techs, data localisation The introduction of possible obligations for is a delicate issue. Data localisation refers to actions

boundaries. Under the Data Protection Act cleared in August 2023, the Government of India had stated that it would merely inform the territories where Indian personal data cannot be taken to. Following immaculate lobbying efforts by the tech companies against a provision in an earlier draft bill that required severe localisation rules, this was viewed as a significant victory. Companies were required to keep copies of certain sensitive personal data, such as financial and health information, within India under the Data Protection Bill, which was first

that restrict data flow within a jurisdiction's

introduced in 2019 and later withdrawn from Parliament in 2022. Additionally, it was forbidden for companies to export any undefined "critical" personal data from India. Rob Sherman, vicepresident and deputy chief privacy officer of Meta, said in 2022 that the country's data localisation regulations might make it "difficult" for the business to provide its services there. And Keith Enright, the chief privacy officer at Google, stated that norms for data localisation should be as

"narrowly tailored as possible". regulatory framework for international business and Significantly, the draft Digital Personal Data Protection Rules, 2025, reinstated data localisation, a Big Tech annoyance that had been eliminated in the Data Protection Act, 2023. The goal is to establish a central body that will collaborate with sectoral regulators and other ministries to successfully deploy local data storage without interfering with business operations. The government is considering giving the industry two years to transition to the new law and set up their systems for compliance.

"significant data fiduciaries" with relation to cross-

border data sharing is an intriguing feature in the draft regulations. While businesses and organisations that gather and handle personal data are considered data fiduciaries, "significant data fiduciaries" will be chosen based on the quantum and sensitivity of the personal data they handle as well as



the potential threats to India's sovereignty and integrity, electoral democracy, security and public order. It is anticipated that the Big Tech companies, such as Amazon, Microsoft, Apple, Google and Meta, will be categorised as important data fiduciaries. Additionally, the draft regulations permit tech businesses to put in place a system for obtaining "verifiable" parental approval prior to processing children's personal data. In essence, when companies expressed dissatisfaction over the potential difficulty of implementing the rule, the government has decided not to propose a mechanism from its end and has instead left it up to the companies to choose a system. In the event of a data breach, data fiduciaries will be required to notify affected parties "without delay" about the breach, including its nature, scope, timing and location; the

implications that the breach is likely to have for the impacted user; and the steps that have been taken or are being taken to reduce risk, among other things. Failure to take adequate precautions to avoid a data breach could result in a fine of up to Rs 250 crore.

The Data Protection Act has given the government or its agencies broad exemptions for processing the personal information of residents on the basis of "public order", "friendly relations with other states", and "national security", among other things. Additionally, the government has suggested that health experts, educational institutions, creche and daycare facilities be excused from requiring parental agreement before processing children's personal data."Yet, we can't just hit the 'pause button' and let these issues sort themselves out. Building the legal, cultural, technological and economic infrastructure to enable the development of a balanced personal data ecosystem is vitally important to improving the state of the world," the 2011 WEF report said. For similar reasons, we also urgently need a concrete law. The goal of the draft DPDP rules is to strike a balance between the right to privacy and technological advancement. In the near future, the quantum, dynamics and discoveries of the hidden potential and risks of personal data will undoubtedly vary due to the constantly shifting pattern, purview, domain, demand and scope of data transmitting into an unknown horizon. Additionally, there ought to be a dynamic alteration in the pattern with technological evolution, our intrusion into the AI world and changes in the global climate, geopolitics and trade. Any legislation pertaining to the protection of personal data should have the ability to easily and continuously adapt to the changes.

'IT hiring may not keep pace with biz growth'

BENGALURU. As IT firms saw revenue productivity increase amid lower headcount, HCLTech CEO C Vijayakumar said adding headcount may not necessarily keep pace with revenue growth.

He noted that the IT industry's requirement for skilled professionals will continue to rise steadily, leading to higher billing rates. "I think you should keep in mind that some of the growth came from improving utilisation for many companies. There are also some onshore-offshore mix changes that could have driven growth. The service industry has a long-term correlation with adding people. I don't think that is changing. Maybe the people addition may not be at the same level as revenue growth, but your wage bill increase will continue to rise in line with the revenue because you need higher-skilled and more experienced people. All of that will drive the wage bill higher," Vijayakumar told TOI in a post-earnings interaction on Tuesday.

TOI reported that the Indian IT sector's overall revenue per head grew approximately 6% year-on-year in the initial six months of FY25. With a single-digit growth outlook, many large IT firms have not added people for the last two years, and this could be the reason for improved revenue productivity.HCLTech has reduced its fresher recruitment target from 10,000 to 7,000 for the year. HCL added 2,134 employees in the Dec quarter, taking the total headcount to 220,755. When asked about rolling out low single-digit hikes, Vijayakumar clarified that the average hike for eligible candidates was around 7%.

Even as developers are coming to grips with how GenAI will impact their roles, especially with low to medium complexity code already being automated, Vijayakumar said, "I think it's about embracing generative AI that is really the big message to the developer community. If you can embrace and see in the new scheme of the workflows and see where incremental value can be added.

Sula Vineyards rises 4% after posting highest revenue in Q3FY25; details

NEW DELHI.Sula Vineyards share price gained 3.87 per cent at Rs 389 a piece on the BSE in Wednesday's intraday trade. This came after the company reported a strong sales update for the quarter that ended December 31, 2024 (Q3FY25).

India's leading wine producer, Sula Vineyards announced its Q3 and nine-month (9M) FY25 sales update, showcasing strong performance in its core segments. For Q3FY25, Sula recorded its highestever revenue from Own Brands at Rs 194.7 crore, reflecting a 1 per cent year-on-year (Y-o-Y) growth. The Elite & Premium portfolio, featuring brands like the 'Source' and 'RASA', led this growth with a 6 per cent Y-o-Y increase.

The wine tourism business continued its impressive trajectory, posting its highest-ever Q3 revenue of Rs 16.4 crore, an 11.5 per cent Y-o-Y growth. This performance was driven by increased guest spending and strong occupancy rates at Sula's properties. Net revenue for Q3FY25, including other income, stood at Rs 217.3 crore, marginally lower by 0.7 per cent Y-o-Y. For the nine-month period ending December 2024, net revenue grew by 1.7 per cent Y-o-Y to Rs 489 crore, with Own Brands contributing Rs 436.5 crore (a 3.6 per cent increase) and wine tourism contributing Rs 39.9 crore (a 4.1 per cent rise).

On the equities front, Sula Vineyards share price has underperformed the market, falling 24 per cent in the last six months, while losing 38 per cent in the last one year. In comparison, the BSE Sensex has slipped 4.9 per cent in the last six months, while gaining 4.6 per cent in the last one year.

Maruti Suzuki stock hits 12week high; rallies nearly 4% on healthy outlook

NEW DELHI. Shares of Maruti Suzuki India (MSIL) hit a 12-week high of Rs 12,194.50 on the BSE in Wednesday's intra-day trade on a healthy outlook. The stock of the passenger cars and utility vehicles company is trading at its highest level since October 22, 2024. It had hit a 52-week high of Rs 13,675 on August 1, 2024.

Thus far in the month of January 2025, MSIL has outperformed the market by surging 12 per cent after reporting healthy volumes for the month of December 2024, with a growth of 29.6 per cent year-on-year (YoY) at 1.78 lakh units. Exports witnessed double digit volume growth with an increase of 39.2 per cent YoY at 37,419 units. In comparison, the BSE Sensex is down nearly 2 per cent so far in the month.

With long-term growth drivers remaining intact, persistent strong growth in SUVs (approx 45 per cent of domestic sales), increasing penetration of compressed natural gas (CNG) (approx. 35 per cent of volumes), a surge in exports, and the entry of electric vehicles (EV) by the end of FY25, analysts remain upbeat on MSIL's long-term operating performance.

While analysts at Emkay Global Financial Services remain cautious on the overall passenger vehicles (PV) space (weak underlying fundamentals, intensifying competition in EVs), the brokerage firm said they prefer MSIL therein on a relative basis, on emerging green shoots in small cars, relatively better launch visibility (7-seater SUV in H2CY25), undemanding valuation (below LTA on 1YF basis).MSIL's strategy of consistent new launches, export expansion highlighted by achieving 3 million cumulative exports, and efforts to normalise inventory levels contributing to its volume growth and robust sales performance, are upsides for the company, according to the brokerage firm.

PepsiCo enters bidding for Haldiram stake against Temasek, Alpha Wave: Report

PepsiCo has initiated discussions with the Aggarwal family, who own Haldiram, for a minority stake.

NEW DELHI.PepsiCo has joined the race to acquire a stake in Haldiram Snacks Food, India's largest ethnic snacks company, reported The Economic Times. The company has initiated discussions with the Aggarwal family, who own Haldiram, for a minority stake. This makes PepsiCo a late entrant in a competition that already includes global investment firms Temasek and Alpha Wave Global. Executives quoted in the report said PepsiCo's leadership from its

New York headquarters has started direct talks with the Aggarwal family in recent weeks. These discussions are still at an early stage and may not necessarily result in a deal. Unlike its Indian unit, the funding for this stake purchase will reportedly be led by PepsiCo's US-based parent company. The Aggarwal family is seeking a valuation of Rs 85,000-90,000 crore for Haldiram as they look to bring in an external investor for the first time.

Temasek and Alpha Wave Global have already submitted binding offers for a 10-15% stake in Haldiram. These offers were made last month, putting the firms in an advanced stage of negotiations. Temasek is said to be leading the discussions, with reports suggesting a potential investment of over \$1 billion as per the report. Haldiram is a market leader For PepsiCo, which dominates the western in ethnic snacks, offering over 500 types



of products, including namkeen, sweets, ready-to-eat meals, and pre-mixed food items. The company reported revenue of Rs 12,800 crore in FY24, more than double that of PepsiCo's snacks business in India, which earned Rs 4,763.29 crore during the nine-month period from April to December 2023.

snacks market with brands like Lay's,

Kurkure, and Doritos, this move could provide a foothold in the fast-growing ethnic snacks segment. PepsiCo holds a 24% market share in western snacks but has limited presence in traditional Indian snacks like namkeen and

The Indian snacks market, worth Rs 42,694.9 crore in 2023 according to IMARC Group, is expected to grow to Rs 95,521.8 crore by 2032. However, it is highly fragmented, with numerous regional players such as Balaji, Bikanerwala, and Bikaji Foods competing alongside Haldiram. These

regional brands often offer lower prices, direct distribution, and better retailer margins, challenging larger players like PepsiCo.PepsiCo India has been under pressure to expand its snacks division, especially as its beverages business is managed almost entirely by Varun Beverages Ltd (VBL), a listed company

Sensex, Nifty open higher; IT stocks rebound after recent slump

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened higher on Wednesday, driven by a rally in IT stocks which has been under pressure for the past couple of trading sessions. The market was also helped by a rise in banking and energy sector stocks. The S&P BSE Sensex gained 144.53 points to 76,644.16, while the NSE Nifty50 added 16.15 points to 23,192.20 as of 9:30 AM.Dr. V K

Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that with only five more days to go for Trump's inauguration as US president, soon there will be clarity on Trump's actions and its likely impact on the markets. It appears that the dollar and US bond yields have peaked for

There are reports that Trump will begin with low tariff hikes putting pressure on major exporters to the US, even while leaving room for negotiations. If this



scenario plays out, further rise in dollar and US bond yields will be arrested. Till then, the FII selling will continue, preempting any rally in the market," he added.Nifty IT rebounded and gained 0.49%, setting a positive tone for the market.Nifty Midsmall Services showed strong performance, rising 1.21%, while Nifty Realty climbed 1.04%. Nifty Midsmall IT & Telecom advanced 1.07%, and Nifty PSU Bank gained 0.70%. Nifty Oil & Gas and Nifty Metal both moved up by 0.70%

and 0.66% respectively. The banking sector remained firm with Nifty Bank rising 0.40% and Nifty Private Bank adding 0.30%. Nifty Auto gained 0.20%, while Nifty Financial Services showed a modest increase of 0.06%.On the declining side, Nifty Midsmall Healthcare led the losses with a drop of 1.57%, followed by Nifty Healthcare Index falling 1.48%. Nifty Pharma declined 1.38%, while Nifty FMCG slipped 0.66%. Nifty Consumer Durables fell 0.30%, and Nifty Financial Services Ex-Bank marginally decreased by 0.01%. Nifty Media remained unchanged at 0.00%."Market will witness lots of stock-specific action in response to the Q3 results. Market has been rewarding performers delivering better-than-expected results and punishing those delivering worse-thanexpected results. Therefore, look out for performers," said Vijayakumar.

Adani Green share price surges over 6% in early trade. What's driving the rally?

NEW DELHI. Shares of Adani Green Energy surged more than 6% in early trade on Wednesday, touching an intraday high of Rs 1,080 on the Bombay Stock Exchange (BSE).

At 10:20 a.m., the stock was trading 3.28% higher at Rs 1,040.60, continuing its positive momentum after jumping as much as 19% in the previous session, making it the top gainer among Adani Group companies. Today's rally follows the company's announcement that its subsidiary, Adani Renewable Energy Forty Eight Limited, has commissioned a 57.2 MW wind power component of its hybrid project at Khavda, Guiarat.

According to a regulatory filing, this development brings Adani Green Energy's total operational renewable capacity to 11,666.1 MW. Power generation from the new plant is expected to commence on January 15, 2025, pending



Meta To Lay Off 3,600 Employees, Mark **Zuckerberg Targets Low Performers**

New Delhi. Meta, the parent company of Facebook, Instagram and WhatsApp is planning to let go of about 3,600 employees or nearly 5 per cent of its

workforce, according to a report from Bloomberg. The company led by CEO Mark Zuckerberg has made the decision to dismiss these workers due to their performance being deemed below expectations. Meta, which employed around 72,400 people as of September, aims to replace these positions with new hires.CEO Mark Zuckerberg, in the memo explained that the decision to let go of

employees is part of a strategy to "raise the bar on performance management and move out low-performers faster." Such layoffs are a common practice

among major U.S. corporations. They follow similar cuts announced by Microsoft last week, which impacted less than one percent of its workforce.



Why is Meta laving off employees and who will be affected?

Meta is cutting jobs as part of its goal to reach 10 per cent "non-regrettable" attribution by the end of the current performance cycle, as per the memo. The job cuts will primarily affect employees who have been with the company long enough to receive a

performance review and are considered underperforming. Meta has assured those impacted that they will receive "generous severance." Microsoft to Cut Low-**Performing Employees**

Microsoft is also planning to let go of low-performing employees. The company is following a similar approach to Meta. While the exact number of affected workers hasn't been disclosed, a recent report from Business Insider suggests that multiple departments, including some

key ones, will be impacted. This move aligns with Microsoft's ongoing practice of restructuring under CEO Satya Nadella, aiming to maintain a high-performing workforce.

necessary clearances.

This project is part of the company's broader strategy to expand its renewable energy portfolio. In December, Adani Green Energy launched a wholly owned subsidiary, Adani Green Energy Sixty-Eight Limited (AGE68L), aimed at generating, distributing, and supplying power using wind, solar, and other renewable energy sources. Financially, the company reported robust earnings in the second quarter of FY25, with a net profit of Rs 515 crore, marking a 39% year-onyear growth. Total income rose by 30.4% to Rs 3,376 crore, though expenses also increased by 31.3% to Rs 2,837 crore. Despite these gains, Adani Green Energy's stock has declined by 38% over the past year. Its relative strength index (RSI) currently stands at 42.9, suggesting neutral momentum, as per Trendlyne data.

The stock's moving average convergence divergence (MACD) is at -75.3, signaling bearish sentiment. Additionally, shares are trading below key moving averages, including the 20-day, 50day, and 200-day SMAs. Analysts maintain a positive outlook, with the average target price pegged at Rs 1,966, implying a potential upside of 95%. Of the four analysts covering the stock, the consensus recommendation is a 'Buy.'

Quadrant Future Tek soars 44% in 2 days; zooms 85% against issue price

NEW DELHI.Shares of Quadrant Future Tek (Quadrant) rallied nearly 20 per cent to Rs 537.80 on the BSE in Wednesday's intra-day trade, extending its Tuesday's 20 per cent surge amid heavy volumes.

The stock of electrical cables company has soared 44 per cent from its listing price, after making a strong market debut on Tuesday. It has zoomed 85 per cent against its issue price of Rs 290 on the BSE. At 10:06 AM; Quadrant was quoting 18 per cent higher at Rs 531, as compared to 0.30 per cent rise in the BSE Sensex. A combined 12.49 million equity shares representing 31 per cent of total equity of the company changed hands on the NSE and BSE on Wednesday. Quadrant is a research-focused

company specialising in Train Control and Signalling Systems under the KAVACH project, enhancing safety and reliability for Indian Railways. It also manufactures specialty cables for railways, defence, and renewable energy, using advanced Electron Beam

technology for superior performance. The company has received significant contracts for its KAVACH system and partners with RailTel to expand its deployment in India and abroad.



The company sits on a strong order book, including a notable Rs 979 crore contract for KAVACH implementation, which highlights its robust revenue visibility. Strategic partnerships, such as with RailTel for KAVACH deployment, bolster its position in domestic and

international markets. With favourable industry tailwinds and increasing demand for its offerings, Quadrant is well-positioned for sustained growth, analysts at Nirmal Bang Securities said in

Quadrant primarily operates in two business divisions, speciality cables and train control and signalling division. Under the speciality cables divisions, the company faces competition with other players providing speciality cables to railways namely Apar Industries, Polycab and Radiant Corporation Pvt. Ltd.

As on the date of Red Herring Prospectus (RHP), entities namely, Medha Servo Drives Pvt. Ltd, HBL Power Systems and Kernex Microsystems (India) has been

approved by The Research Designs & Standards Organisation (RDSO) for supply of KAVACH equipment based on initial system design approved.

Quadrant, specialising in the production of specialty cables and advanced train control and signaling systems, such as the

KAVACH project for Indian Railways, leverages cutting-edge technologies like Electron Beam Cross Linked polymers.

These innovations enhance the durability and performance of its products across demanding sectors including railways, defense and electric vehicles. With significant infrastructure developments and government initiatives like the Rs 557 crore funding for the KAVACH project, Quadrant is well positioned within its industry, said analyst at KRChoksey Shares and Securities in a

"With a PE ratio of 79x and an EV/EBITDA of 34x, Quadrant Future Tek Limited's valuation is notably higher than some of its peers, justified by its strong market position, robust growth prospects and solid financial performance, evidenced by a robust ROE of 33 per cent. The premium valuation is further underpinned by its large addressable market and significant project wins, specifically in KAVACH, which enhances its growth potential and ensures sustainable growth prospects," the brokerage firm said.

Over 300 flights delayed, trains hit as dense fog reduces visibility in Delhi

►Delhi weather: Due to zero visibility reported in parts of Delhi-NCR, at least 26 trains were delayed due to the dense fog conditions in Delhi and parts of northern India. Similarly, 329 flights were delayed due to the dense fog at the Delhi airport.

train services disrupted as dense fog blanketed Delhi-NCR on Wednesday. The cold wave continued in the national capital, with the minimum temperatur dropping to 6

degrees Celsius. ue to zero visibility reported in parts of Delhi-NCR, at least 26 trains were delayed due to the dense fog conditions in Delhi and parts of northern India. Similarly, 329 flights were delayed, and 13 flights were cancelled due to the dense fog at the Delhi airport. Early morning travellers faced difficulties in navigating through the dense fog.

The India Meteorological Department has issued an orange alert for Delhi, with dense to very dense fog reported in several areas.It has predicted a cloudy sky for the Delhi-NCR region

on Wednesday with chances of light rain in the evening. The visibility at Indira Gandhi International Airport in Delhi was recorded at 100 metres at 6 am on WednesdayIt stated that IndiGo airlines, SpiceJet and Air India have issued flights not compliant with CAT III standards might be affected by the dense fog. Notably, CAT

land safely during poor visibility conditions."Due to dense fog at Delhi, multiple flights have been impacted. Passengers may



contact the concerned airlines for flight updates. Any convenience caused to you is deeply regretted," the airport said in a statement posted

advisories warning of possible flight delays and urged passengers to check their flight status swing, weather conditions in Delhi haven't improved since our last advisory. We recommend checking your flight status before

heading to the airport. Our teams are working diligently, keeping a close eye on the weather, and will keep you posted with updates," IndiGo said in a release."Poor visibility due to dense fog and airport congestion may affect flight operations in Delhi and some other cities today," Air India said. The humidity level at 8.30 am was recorded at 97 per cent while the maximum temperature is expected to settle around 19 degrees Celsius.Meanwhile, Delhi's air quality worsened to 'very poor' category, with an AOI of 332 as of 8 am on Wednesday. The weather body had earlier issued a yellow alert, forecasting dense to moderate fog in the capital until

A fresh western disturbance will bring isolated rainfall with thunderstorms and lightning over the Delhi-NCR region, Punjab, Haryana and Uttar Pradesh on Wednesday and Thursday, it

UP couple consume poison with their 3 children amid financial stress; two dead

NEW DELHI. A couple poisoned themselves and their children in Uttar Pradesh's Saharanpur district over high debt and repeated harassment by a finance company. During treatment, the woman and her son died, while her husband and two other children were undergoing treatment.

According to the police, all five members of the family were found unconscious on the Gagalhedi-Deoband road in Saharanpur and were rushed to a hospital by another passerby in his car on Monday, January 13. Commenting on the incident, the family relatives of the family said that Vikas (45), and Rajni (35) had taken a loan of four to five lakhs from a small finance company named Fusion. After being unable to pay the EMIs on time, the company officials harassed them and often visited their home, threatening them, following which they took extreme step.

Initially, the family was taken to a government hospital, from where the doctors referred them to another medical facility for better treatment. However, Rajni and her one-and-a-half-year-old son died during treatment, while Vikas and the couple's two other children were undergoing treatment.Rajni's brother Gurmeet said, "When we arrived at the location, Vikas told me that he had a lot of debt. The company people were bothering them and threatening them. There was another person from the village from whom they had borrowed 10,000-15,000 rupees at 12 per cent interest. They were being harassed by those people."

After the incident, a probe was launched by the Saharanpur Police. Speaking on the incident, Saharanpur's SP City Vyom Bindal said, "Five members of the same family, including the husband, wife, and their three children, attempted suicide by consuming poison. All five of them were receiving treatment. Unfortunately, their one-and-a-half-year-old son died. The husband's wife, Rajni, also passed away during treatment.""An investigation will be conducted into all these facts. Our priority is to ensure that those who are hospitalised for treatment receive the best possible care. As for the other points raised by the authorities, an investigation will be carried out on all those matters as well," he added.

UP Fuel Pump Enforces 'No Helmet, No Petrol' Rule, Ends Up In The Dark

New Delhi. In a chain of events demonstrating why India is not for beginners, a fuel pump attendant's insistence on following the 'no helmet, no petrol' rule led to consequences he would not have imagined. The biker, who was refused fuel, happened to be an electricity department staff and took revenge by snipping the fuel pump's power supply.

The bizarre incident took place in Uttar Pradesh's Hapur district on Monday. The Yogi Adityanath government has asked district officials to enforce the 'no helmet, no petrol' rule as part of an initiative to reduce road accident casualties. Petrol pump owners have also been asked to refuse fuel to bikers who don't wear helmets. According to a petrol pump attendant, a lineman with the power supply department came to refuel his bike on Monday. He was not wearing a helmet. The petrol pump staff had been told to refuse fuel to any biker not wearing a helmet. "Our owner informed us about the district magistrate's order that no one should be given fuel if he/she is not wearing a helmet. When the lineman came, we refused to refuel his bike. He left in a huff and disconnected the power supply."The sudden power cut surprised the petrol pump staff. The power supply was restored about 20 minutes later. The petrol pump's owner has registered a police complaint.

A CCTV camera in the vicinity has captured the miffed lineman stopping his bike near the transformer and scaling a wall. He then climbs a pole and snips the power line. As he climbs down, people are seen approaching the transformer to check what has gone wrong.

Smriti Irani, Shekhar Kapur among new members in rejigged PMML Society

NEW DELHI. The Prime Ministers' Museum & Library (PMML) society and its executive council have been reconstituted. Former Principal Secretary to the PM Nripendra Mishra has been reappointed for a five-year term as the chairperson of the council. Several new members have been nominated to the society. According to an order issued by the culture ministry, the newly added representatives are ex-Union minister Smriti Irani, filmmaker and director of International Film Festival of India Shekhar Kapur, former NITI Aayog vicechairman Rajiv Kumar and retired Army General Syed Ata Hasnain.

The reconstituted body will have 34 members instead of 29, said Ahmadabad-based historian Rizwan Kadri. He has been nominated to the society.

The organisation is headed by the PM and has Defence Minister Rajnath Singh as its vice-president. Union



ministers Amit Shah, Nirmala Sitharaman, Dharmendra Pradhan, Ashwini Vaihnaw and Gajendra Singh Shekhawat are also its members. As per the memorandum of association and rules and regulations of the society, the terms of the members nominated and executive council will be five years or until further order. The PMML society is an autonomous institution under the culture ministry. It has four major constituents; Pradhanmantri Sangrahalaya, library, Centre for

Contemporary Studies and Nehru Planetarium. The other new members include Sanjeev Sanyal, who is also the member of PM's Economic Advisory Council, educationist Chamu Krishna Shastry, Vasudev Kamath of Sanskar Bharti, and archaeologist KK Mohammad.

J&K polls, Amarnath Yatra testament to improved security conditions: Army chief

Upendra Dwivedi said the 2024 Assembly elections in Jammu and Kashmir and the Amarnath Yatra were "testament to improved security" in the union territory. He made the remarks while addressing personnel and dignitaries at an event in Pune on Wednesday to mark Army Day 2025. This is the first time that Army Day celebrations were shifted out of Delhi.In his address, the Army chief said the ceasefire along the Line of Control continues to hold, "although vigilance against infiltration is ongoing".

While stability has been maintained, challenges persist. Efforts to modernise critical infrastructure and integrate advanced technologies remain a priority," Gen Dwivedi maintained.He also highlighted the Army's achievements over the past year and praised the operational



readiness and professionalism demonstrated by soldiers across the country, whether safeguarding borders, responding to natural disasters, or contributing to internal security. The Furthermore, he recognised the Army chief also laid emphasis on the role of the armed forces in nationbuilding, underscoring the importance of a stable environment for India's

He introduced the Army's "Decade of Transformation" initiative, aimed at enhancing operational preparedness, adopting cuttingedge technologies, and reforming administrative processes. Gen Dwivedi also announced that

2025 would focus on "Reforms" and "Technology Absorption", laying the foundation for a modern, agile, and technologically enabled force. Acknowledging the growing role of women in the armed forces, he lauded their contributions not only as officers but also as Agniveers. He reaffirmed the Army's commitment to supporting

soldiers, veterans, and their families through robust welfare systems and initiatives.

collaboration between the Army, Navy, and Air Force, highlighting their collective readiness to face any

Army chief justifies replacing 1971 war painting featuring Pakistan's surrender

NEW DELHI. Army chief General Upendra Dwivedi on Monday justified replacing an iconic painting of Pakistan's surrender in the 1971 war at his office in Raisina Hills with a new artwork titled "Karam Kshetra". The painting on the 1971 war was removed from the Army chief's lounge in December, and it was subsequently installed at the Manekshaw convention centre.

The shifting of the historical painting had anguished many Army veterans and the decision came under some criticism.

'If you see the golden history of India -it has three chapters. It has the British era, the Mughal era and the era before that. If we wish to connect that and the Army's vision, symbolism becomes important," Gen. Dwivedi



said. The new painting, "Karam Kshetra", meaning "Field of Deeds", is a creation of Lieutenant Colonel Thomas Jacob of the 28 Madras regiment.It portrays the Army as a guardian of "Dharma" that protects the nation's values and reflects its evolution into a technologicallyadvanced integrated force, according to the Army.It features the snowcapped mountains around the

Pangong Tso lake in eastern Ladakh, Krishna's chariot and Chanakya, which represent strategic wisdom.

The Army chief suggested that the new painting was made considering the current realities, as he mentioned the re-balancing of troops in view of challenges coming from the northern front.General Dwivedi said the painting was created by Lt Col Jacob, who belongs to the younger generation in the force. "It is also being said that there is a semi-clad Brahmin standing at the centre on the banks of Pangong Tso," he said.If Indians do not know Chanakya, they need to refer back to their civilisational approach, he said. The Army chief said the new painting symbolises the past, the present and

Delhi schools asked to follow strict guidelines on kite flying for Republic Day NEW DELHI. Ahead of Republic Day and Basant

Panchami, the Directorate of Education has issued a set of strict guidelines to schools, urging them to raise awareness about the dangers of using 'Chinese Manja' while flying kites. The circular, released on Tuesday, instructed Heads of Schools (HoSs) in government, governmentaided, and private unaided schools to inform students about the ban on sharp Manja. The directive also emphasised the need for awareness programs on this issue.

The circular referenced a notice from the Environment department, which highlighted the popularity of kite flying during festivals such as Makar Sankranti, Republic Day, and Basant Panchami It warned about the hazards posed by kite-flying threads made from synthetic materials like plastic, nylon, or the commonly used "Chinese thread" (Manja), which are often coated with glass or metallic components. "These threads can cause serious injuries to humans and animals, sometimes even resulting in fatalities, as reported in news incidents in recent years," read the circular. "Additionally, such materials are non-biodegradable and pose a significant environmental threat," it said.

There shall be a complete ban on the sale, production, storage, supply, import, and use of synthetic kite-flying threads, including those laced with sharp materials.

"To ensure safety and environmental protection, kite flying will only be allowed with cotton thread, free of any sharp, metallic, glass, or adhesive components," it said.

Congress moves to new headquarters as '24, Akbar Road' ends 47-year history

NEW DELHI. Delhi is witnessing a historic shift on Wednesday as the Congress party moves to its new headquarters—Indira Gandhi Bhawan on Kotla Road. This moment marks a significant moment in the party's history, as exactly Forty-seven years ago, a devastated Indira Gandhi, left with only a handful of loyalists following the aftermath of the Emergency, shifted the base of the breakaway faction of Congress to a government accommodation—a Type VII bungalow on Akbar Road.

Over the years, this British-era property has witnessed the rise and fall of the Congress party. It has seen the resurrection of Congress, Indira Gandhi regaining power, the death of her son Sanjay Gandhi, her assassination, Rajiv Gandhi stepping into the Prime Minister's office at a young age, his assassination, and Congress gradually regaining its ground in subsequent years as it led alliance governments in 1991, 2004, and 2009. The property has a rich history of nearly 100 years. Before independence, Sir Reginald Maxwell, a member of the Viceroy Lord Linlithgow's executive council, resided here.In the 1960s, the bungalow also became the residence of Burma's ambassador, where Nobel Peace Prize laureate Aung San Suu Kyi spent her early teenage years. Her mother, Daw Khin Kyi, was appointed the Burmese ambassador to India.In his book 24, Akbar Road: A Short History of the People Behind the Rise and Fall of Congress, journalist and political commentator Rasheed Kidwai details how the bungalow was chosen to become an iconic address in the national capital, and the significant events that unfolded there. According to Kidwai, the Akbar Road property was allotted to Rajya Sabha MP G. Venkataswamy from Andhra Pradesh, who chose to stay



with Indira Gandhi after the 1977 elections, when most of her colleagues had abandoned her.Left without resources and office space, Indira decided to operate her party office from the unkempt house. "Facing the residence of the Chief of the Indian Air Force and the Intelligence Bureau's political surveillance unit (which still exist), it comprised five barely furnished bedrooms, a living room, a dining hall, and a guest room. The

outhouses were neglected, and the garden was a mess of unruly hedges and a riot of weeds," the first chapter of Kidwai's book reads. Congress MP Tariq Anwar from Katihar, Bihar, who worked at 24, Akbar Road, recalls the early days: "Following the split, Congress started out with 24, Akbar Road, as a temporary office, but we stayed there." Anwar, who has worked with four generations of the Gandhi family, added, "Indira Gandhi used to come to the office regularly. I have worked with Indira Gandhi, Rajiv Gandhi, Sonia Gandhi, and Rahul Gandhi. Indiraji always gave importance to young leaders. After she became PM in 1980, as an MP, I got more opportunities to interact with her. I have seen the party's many ups and downs at 24, Akbar Road, and have numerous memories attached to the office. I will miss the old office and hope it will be a new beginning for the party.'

South Korea's Yoon becomes 1st sitting President to be arrested

World. South Korean authorities arrested impeached President Yoon Suk Yeol on Wednesday over insurrection accusations related to his December 3 martial law declaration, investigators said.A motorcade was seen leaving the gates of his hillside residence where Yoon has been holed up for weeks behind barbed wire barriers and a small army of personal security. Earlier more than 3,000 police officers and anti-corruption investigators had gathered there before dawn, pushing through throngs of Yoon supporters and members of his ruling People Power Party protesting attempts to detain him. Yoon's lawyers have argued attempts to detain him are illegal and are designed to publicly humiliate him. The warrant investigators secured for his arrest is the first ever issued against an incumbent South Korean president.

As local news broadcasters reported that Yoon's detention may come soon, some minor scuffles broke out between tearful pro-Yoon protesters and police near the residence, according to a Reuters witness at the scene. Yoon's declaration of martial law stunned South Koreans and plunged one of Asia's most vibrant democracies into an unprecedented period of political turmoil. Lawmakers voted to impeach him and remove him from duties on December 14. Separately, the Constitutional Court is deliberating over to uphold that impeachment and permanently remove him

Impeached South Korean President Yoon Arrested Over Failed Martial Law Bid

Seoul. South Korean authorities on Wednesday arrested impeached President Yoon Suk Yeol over insurrection accusations related to his brief declaration of martial law on December 3, investigators said. He is the first sitting president in South Korea's history to be arrested. According to reports, the suspended President was seen leaving his heavily fortified residence in central Seoul in a convoy to the offices of the Corruption Investigation Office (CIO) after a joint team of investigators and police said they had executed the arrest warrant.

Mr Yoon had been holed up at his hillside residence for weeks, behind a small army of personal security to avoid arrest. His lawyers have argued attempts to detain the impeached Presidnet were illegal and were designed to publicly humiliate him.On Wednesday morning, his lawyer announced that the president had agreed to speak to investigators and that he had decided to leave the residence to prevent a "serious incident".

President Yoon has decided to personally appear at the Corruption Investigation Office today," Seok Donghyeon said on Facebook, adding that Yoon would also deliver a speech. More than 3,000 police officers and anti-corruption investigators gathered at his residence before dawn, pushing through throngs of Yoon supporters and members of his ruling People Power Party protesting attempts to detain him.Shortly after, investigators announced that Mr Yoon had been arrested. "The Joint Investigation Headquarters executed an arrest warrant for President Yoon Suk Yeol today (January 15) at 10:33 am (0130 GMT)," they said in a statement. Following his arrest, Yoon can be held for up to 48 hours on the existing warrant. Investigators would need to apply for another arrest warrant to keep him in custody.

It was their second effort to arrest Yoon. A first attempt on January 3 failed after a tense hours-long standoff with members of Yoon's official Presidential Security Service (PSS), who refused to budge when investigators tried to execute their warrant.

Mr Yoon's declaration of martial law last month stunned South Koreans and plunged one of Asia's most vibrant democracies into an unprecedented period of political turmoil. Lawmakers voted to impeach him and remove him from duties on December 14. Separately, the Constitutional Court is deliberating over whether to uphold that impeachment and permanently remove him from office. Mr Yoon's impeachment trial began Tuesday with a brief hearing after he declined to attend.

Sheikh Hasina's niece Tulip Siddiq resigns from UK government over Bangladesh graft probe

LONDON. UK's anti-corruption minister and niece of ousted Bangladesh prime minister Sheikh Hasina, Tulip Siddiq, resigned on Tuesday after being named in an investigation into the graft accusations against her aunt. The resignation came days after Dr Muhammed Yunus, the caretaker head of Bangladesh government made serious allegations of corruption against her.UK Prime Minister Keir Starmer has accepted her resignation. In a letter to Starmer, Siddiq wrote: "Sir Laurie has confirmed that I have not breached the ministerial code. As he notes, there is no evidence to suggest that I have acted improperly regarding the properties I have owned or lived in, nor any evidence to suggest that my assets derive from anything other than legitimate sources."

She further stated, "My family connections are a matter of public record. When I became a minister, I provided full details of my relationships and private interests to the government."Siddiq acknowledged that continuing in her role as Economic Secretary could distract from the government's work. She emphasized, "My loyalty is and always will be to this Labour Government in the UK and its program for national renewal and transformation. Therefore, I

have decided to resign from my ministerial position." Siddiq had previously voluntarily referred herself to an independent watchdog. Following consultations with officials, she was advised to declare her aunt's position as the former prime minister of Bangladesh and to recuse herself from matters related to Bangladesh to avoid any perception of a conflict of

Trump would've been convicted in 2020 poll case had he not been reelected: Report

World. US Special Counsel Jack Smith said that evidence from the 2020 election interference case was enough for President-elect Donald Trump's conviction, but his victory in last year's presidential polls made it impossible to do so. In an over 130-page report published on Tuesday, Smith concluded that Trump engaged in an "unprecedented criminal effort" to retain power after he lost to Joe Biden five years ago. The Special Counsel also detailed how Trump tried to overturn the election results and accused him of plotting to obstruct the collection and certification of votes."As set forth in the original and superseding indictments, when it became clear that Trump had lost the election and that lawful means of challenging the election results had failed, he resorted to a series of criminal efforts to retain power," CNN quoted the report as saying. The report, that came less than a week before the President-elect's inauguration on January 20, also said the



"throughline of all of Trump's criminal efforts was deceit, knowingly false claims of election fraud, and the evidence shows that he used these lies as a weapon to defeat a federal government function foundational to the United States' democratic process".In August 2023, Trump was charged with working to overturn the election, but the case was delayed by appeals and ultimately significantly narrowed by the Supreme Court, which held for the first time that former Presidents enjoy sweeping

immunity from criminal prosecution for

The (Justice0 Department's view that the Constitution prohibits the continued indictment and prosecution of a President is categorical and does not turn on the gravity of the crimes charged, the strength of the government's proof, or the merits of the prosecution, which the Office stands fully behind," the report said.

'But for Trump's election and imminent return to the Presidency, the Office assessed that the admissible evidence was sufficient to obtain and sustain a conviction at trial."The President-elect had pleaded not guilty to the charges.

Although much of the evidence cited in Smith's report was already made public before, it also includes some new details like prosecutors considering charging Trump with inciting the January 6, 2021 attack on the Capitol under a US law known as the Insurrection Act.But prosecutors ultimately concluded that such a charge posed legal risks and there was insufficient evidence that Trump intended for the "full scope" of violence during the riot, a failed attempt by a mob of his supporters to stop Congress from certifying the 2020 election.

The indictment charged Trump with conspiring to obstruct the election certification, defraud the US of accurate election results and deprive American voters of their voting rights.Smith's office determined that charges may have been justified against some co-conspirators accused of helping Trump carry out the plan, but the report said prosecutors reached no final conclusions.

Meanwhile, a second section of the report details Smith's case accusing Trump of illegally retaining sensitive national security documents after leaving the White House in 2021. But the Justice Department said that it would not make that section public as legal proceedings continue against two Trump associates charged in

North Korean Troops "Blowing Themselves Up" To Avoid Capture In Ukraine

Kyiv. After an intense battle with Russian forces this week, Ukrainian special forces were scouring dead bodies from the snowy western terrain of the Kursk region, where they discovered corpses of over a dozen North Korean enemy troops. Among them, they found one soldier was still alive. But as Ukrainian soldiers approached him, the lone North Korean detonated his own grenade, blowing himself up to avoid being captured, Ukraine's Special Operations Forces

intense fighting in the occupied Kursk According to Kyiv officials, their soldiers escaped the blast uninjured, but the suicide incident added to mounting evidence from the

battlefield, intelligence reports and

said in a post on X, describing the



testimonies of defectors that some North Korean soldiers are resorting to extreme measures as they support Russia's three-year war with Ukraine. 'Soldiers Being Brainwashed'

The incident is the latest documentation of the lengths the North Korean troops are willing to go to avoid capture and become prisoners of war to be presented as proof of Pyongyang and Moscow's blatant military alliance. The "brainwashed" Hermit Kingdom troops, who are being told it is treason to be taken prisoner, are posing a new challenge for Ukraine, officials said.

Self-detonation and suicides: that's the reality about North Korea," Kim, a 32-year-old former North Korean soldier who defected to the South in 2022, told Reuters."These soldiers who left home for a fight there have been brainwashed and are truly ready to sacrifice

themselves for Kim Jong Un," he added, referring to the reclusive North Korean leader.Kim had reportedly worked for North Korea's military in Russia for about seven years up until 2021 on construction projects to earn foreign currency for the regime. According to him, for some North Korean soldiers, being captured and sent back to Pyongyang would be seen as a fate worse than death.

Federal Probe Begins Into **Deadly Los Angeles Fires**

Los Angeles. A huge federal probe was under way Tuesday into what caused the deadly Los Angeles wildfires, with millions in the city clamoring for answers. Social media has exploded with theories about what started blazes that tore through the city of Altadena and the upmarket neighborhood of Pacific Palisades, killing at least 24 people and leaving whole communities in ruins. Suggestions include downed power lines, deliberate arson, a stray firework and the reignition of an earlier fire.

But Jose Medina of the federal Bureau of Alcohol Tobacco and Firearms (ATF), which is leading the inquiry, said it was too early to say.

'We know everyone wants answers, and the community deserves answers. ATF will give you those answers, but it will be once we complete a thorough investigation," he told reporters. The ATF is working with local law enforcement, as well as the Forest Service and the US Attorney's office, in an operation that will involve around 75 people. Fire investigators, chemists, electrical engineers and sniffer dogs trained



Qatar Says Gaza Truce Deal In "Final Stages": What We Know So Far

negotiations for a Gaza truce and hostage release deal were in their "final stages" on Tuesday, expressing hope an agreement could be reached "very soon".Qatar, Egypt and the United States have intensified efforts to broker a ceasefire to enable the release of hostages taken during Hamas's October 7, 2023 attack on Israel.Late on Tuesday, Israeli Prime Minister

Benjamin Netanyahu went into a meeting with top security officials to discuss the deal, his office said."The ball is now in Hamas's court," US Secretary of State Antony Blinken said earlier. "If Hamas accepts, the deal is ready to be concluded and implemented."US President Joe Biden and his Egyptian counterpart Abdel Fattah al-Sisi said in a phone call on Tuesday that both sides needed to show "flexibility" to get a deal over the line, according to a statement from Sisi's

Biden had said the day before that an Hamas's October 7 attack, the deadliest in

agreement was "on the brink" of being finalised, just ahead of the inauguration of his successor, Donald Trump.Oatar foreign ministry spokesman Majed al-Ansari on Tuesday said the negotiations were in their "final stages". "Certainly

we are hopeful that this would lead very

soon to an agreement," Ansari said,

while adding that "until there is an

announcement... we shouldn't be over-

excited". Israeli Foreign Minister Gideon Saar, meanwhile, said during a visit to Rome that there was a "true willingness from

our side to reach an agreement".

Israel's history, resulted in the deaths of 1,210 people, mostly civilians, according to an AFP tally of official Israeli figures.On that day, militants also took 251 people hostage, 94 of whom are still being held in Gaza, including 34 the Israeli military says are dead.Israel's retaliatory campaign in Gaza has killed 46,645 people, a majority of them civilians, according to the health ministry in

the Hamas-run territory, whose figures the UN considers reliable.'Act Now'Relatives of Israeli hostages and war-battered Palestinians in Gaza waited anxiously for the deal to be finalised."Time is of the essence," said Gil Dickmann, cousin of former hostage Carmel Gat, whose body was recovered from a Gaza tunnel in September."Hostages who are alive will end up dead. Hostages who are dead might be lost," Dickmann told AFP at a rally in Jerusalem. "We have to act now."Umm Ibrahim Abu Sultan said from Khan Yunis in southern Gaza that she had "lost everything" in the war.

to detect accelerant will be doing painstaking fieldwork to find the seats of the two fires, he said.A team will also be deployed to gather clues from the local community and online, conducting interviews with possible witnesses.

'We are following all the leads and processing all the physical evidence," Medina said."ATF is determined to leverage every available resource to deliver a thorough and transparent investigation. Internet users have leapt on a video posted by trail runners that shows them running away from smoke in hills above Pacific

But one of the men, Beni Oren, told the Los Angeles Times they had nothing to do with the fire, and had actually been fleeing for their lives in the video.

"It's definitely kind of infuriating that people are blaming us," he told the paper."Just knowing as a matter of fact... that we didn't do it but then seeing the amount of people that have different theories is overwhelming."Local media reported that a number of homeowners in the Altadena area have launched a lawsuit against power company Southern California Edison after a video appeared to show flames at the base of an electrical transmission tower.

US to lift Cuba's terrorism tag in exchange for release of political prisoners

World. The Biden administration said on Tuesday it would remove Cuba from its terrorism blacklist, while Cuba said separately it would release upward of 500 prisoners from its jails, dual announcements poised to reshape US-Cuba relations just days before Donald Trump takes office.President Joe Biden's announcements effectively roll back many of the sanctions put in place by President-elect Trump during his previous term ending in 2021. If they endure, they would represent the most significant advance in US-Cuba relations since the Obama-era detente. Trump, a harsh Cuba critic who designated the island a state sponsor of terrorism - has not yet commented on the measures but has Just one hour after the US announcement, promised a hard line on the communistrun country. He also nominated US Senator Marco Rubio, the son of immigrants from Cuba and an outspoken critic of the island's government, as Secretary of State.Biden's announced

plans - subject to the review of Congress and the incoming Trump administration - would lift Trump's 2021 designation of Cuba as a state sponsor of terrorism, easing sanctions on an island already suffering a deep economic crisis. They would also revoke a 2017 Trump order that restricted financial transactions with some military- and governmentlinked Cuban entities, according to a senior administration official.Biden also seeks to prevent individuals from filing lawsuits against both Cuban entities and foreign companies under the Helms-Burton Act over property seized following Fidel Castro's 1959 revolution, the official said.

Cuban President Miguel Diaz-Canel announced his government planned to "gradually" release 553 prisoners following talks with Pope Francis.Cuba faced sharp criticism from rights groups, the United States and the European Union



following the imprisonment of hundreds of protesters after riots on July 11, 2021, the largest since Castro's revolution.

It was not immediately clear whether the prisoners to be released had been detained following those protests. A Cuban foreign ministry statement said the decision reflected the "humanitarian nature of the PRISONER RELEASE Cuban justice system" but did not tie the prisoner release to the Biden announcement.Cuba's government called

the breakthrough a step in the "right direction," but accused the US of continued "economic warfare" against the island, warning that the measures could be quickly rolled back and that the Cold War-era US trade embargo against Cuba remained. Trump, who takes office on Jan. 20, may seek to revive the sanctions overturned by Biden once in office. His transition team and Rubio's Senate office did not immediately respond to a request for comment.An official said Biden and Trump's teams had "been in communication" on the topic.

In a brief letter to Congress, Biden said the actions announced on Tuesday were "necessary to the national interests of the United States and will expedite a transition to democracy in Cuba.

Cuba has been discussing the possibility of a prisoner amnesty with Vatican officials since at least 2023.

NEWS BOX

NorthEast United hold FC Goa to thrilling 1-1 draw

GUWAHATI. Hosts NorthEast United FC came from behind to hold FC Goa to a 1-1 draw in a fiercely-contested Indian Super League (ISL) match here on Tuesday.Mohammad Yasir gave FC Goa the lead in the 65th minute, but Jithin MS equalised for NorthEast United in the 76th minute as the two teams shared the spoils. This was the 11th draw between the two sides, the highest number of stalemates between any teams in the competition's

The Highlanders began the game on the front foot, with Guillermo Fernandez and Alaaeddine Ajaraie making threatening runs that kept the FC Goa defenders on alert.

However, the first clear opportunity of the match fell to FC Goa when Dejan Drazic delivered a precise cross to Armando Sadiku in the penalty area. Sadiku's header, however, lacked the power to trouble Gurmeet Singh in goal. Shortly afterwards, Ajaraie came close to opening the scoring when Buanthanglun Samte sent a long pass his way. The Moroccan forward raced through on goal but saw his effort tipped over the bar by Hrithik Tiwari.Despite soaking up pressure from the hosts for much of the first half, FC Goa finished the half on a strong note. The second half began in a similar fashion, with NorthEast United showing great intent but struggling to break through FC Goa's resolute defence.

In the 59th minute, assistant coach Naushad Moosa made a tactical adjustment, introducing Nestor Albiach and Ninthoinganba Meetei in place of Guillermo and Muthu Mayakkannan.

Nestor almost made an immediate impact when he combined with Ajaraie in a slick give-and-go move, but Hrithik lost the ball amidst a crowd of players, allowing Odei Onaindia to clear the danger. Against the run of play, FC Goa broke the deadlock in the 65th minute. Jay Gupta sent a long ball into the penalty area, which Mohammad Yasir played towards Brison. The youngster returned the ball to Yasir, who fired it into the bottom-right corner, giving the Gaurs a crucial lead.

The Highlanders responded with determination, opting for counterattacking football. Ajaraie showcased excellent hold-up play before delivering a brilliant through ball to Jithin MS, who calmly slotted the ball past Hrithik in the 76th minute to restore parity.Both teams pushed for a winner in the closing stages, but neither could find the decisive goal, leaving the match tied at 1-1.

Trying to focus on building my innings, says Shafali Verma

CHENNAI. Shafali Verma is very much The India opener last turned up in the Blues during the ODI series against New Zealand after the early exit in the 2024 Women's T20 World Cup. Verma had scores of 33, 11 and 12 in the home ODIs versus White Ferns after finishing the global event with a disappointing 97 runs at 24.25. She was neither a part of the team that toured Australia nor the home series against West Indies and Ireland.In these trying times, the 20-year-old has gone back to the domestic circuit. From the senior women one-dayers where she finished as leading run-scorer with 527 runs at 152.31 SR—to the ongoing senior women challengers in Chennai, Verma has been accumulating runs for fun.It was no different on Monday as Team A, which had already qualified for the final, took on Team D at the MA Chidambaram Stadium.During the chase of 212, Verma smashed 115 off 70 balls — a knock that had 14 fours and six 6s — and by the time she got out the victory was all but sealed. It was her third century in the format since getting dropped and she has also scored five fifties. Apart from the lone LBW shout early on against Saika Ishaque, there was not a moment where she looked like she was getting out. So much that it felt like she was too good for this level.

Ask her if making a comeback to the Indian team has been an extra motivation, Verma answers it in a matter of fact manner."I think this is my job to do well for the team. I know I am dropped from the (Indian) team but it is my job to play well for the team (whichever I play for). And now, my focus is on challengers and I want to do well in the final and we win the trophy," she told the select media at the venue after the match on Monday.

The 20-year-old said that the message from the team management has been about believing in herself and backing your strengths. While there is no doubt about her batting ability, one of the concerns raised was about her fielding. Although she didn't do much wrong in that department on Sunday, one has to wait and see how things are going forward.

For Verma, the focus has been on spending time in the middle and playing the long innings. She admits that not much has changed in terms of her batting technique but is trying to build the innings and convert starts. She is aware of the fact that the longer she stays, the higher the possibility of her team winning.

Liverpool held to draw by Nottingham Forest, Manchester City let 2-goal lead slip

New Delhi . Liverpool were forced to settle for a draw by in-form Nottingham Forest while Manchester City capitulated and let a 2-goal lead slip away from home against Brentford on Tuesday, January 14. Elsewhere, Chelsea had captain Reece James to thank for their draw against Bournemouth, while Graham Potter got his first win as West Ham United manager as they edged past Fulham in a 5-goal thriller.

Diogo Jota's crucial second-half header salvaged a 1-1 draw for Liverpool against an impressive Nottingham Forest on Tuesday, preserving their six-point lead at the top of the Premier League. Forest, enjoying an extraordinary campaign after narrowly escaping relegation last season, stunned the league leaders early on. Chris Wood struck in the eighth minute, capitalising on a vibrant atmosphere at the City Ground.

Liverpool, whose sole league loss this season came against Forest in September, seemed on course for another upset. However, Jota rose to the occasion in the 66th minute, nodding in from a corner to restore parity. The visitors pushed for a winner, with Jota and Mohamed Salah both testing Forest goalkeeper Matz Sels late on. Sels' heroics ensured Forest held on for a valuable point, leaving Liverpool six points clear of second-

placed Forest, who have played one game

Manchester City let lead slip

Elsewhere, Manchester City squandered a two-goal lead as Brentford mounted a dramatic late comeback to secure a 2-2 draw in a thrilling encounter. City, aiming to build momentum after a turbulent November and December, looked to have turned a corner following recent wins over Leicester and West Ham. Yet their defensive frailties resurfaced at the Brentford Community

Stadium. After a cagey first half, Savinho nearly broke the deadlock in the 50th minute with a powerful shot that rattled the post. Erling Haaland spurned a golden opportunity minutes later, heading straight at the keeper.City eventually found their rhythm in the 66th minute when Kevin De Bruyne's pinpoint cross was The England international doubled the lead 12 minutes later, pouncing on a rebound after Savinho's effort was

parried. Brentford, however, refused to die. Yoane Wissa pulled one back in the 82nd minute, setting up a tense finale. In stoppage time, Christian Norgaard completed the comeback with a glancing header that beat Stefan Ortega, despite the goalkeeper getting a hand to it. The draw leaves City in sixth place on 35 points, 12 behind Liverpool, while Brentford climb to 10th on

James to the rescue for Chelsea

28 points.

Meanwhile, Reece James rescued Chelsea with a stunning 95th-minute free-kick to earn a 2-2 draw against Bournemouth at Stamford Bridge. James, returning from injury as a second-half substitute, curled a brilliant shot into the far corner, denying Bournemouth a famous win.Chelsea had dominated the first half, taking the lead through Cole Palmer. However, Bournemouth levelled early in the second half when Justin Kluivert converted a

expertly volleyed home by Phil Foden. The visitors then shocked the home crowd in the 78th minute, with Antoine Semenyo blasting a fierce strike past Robert Sanchez at the near post to make it 2-1. Despite James' late heroics, it was another frustrating outing for Chelsea, who are now winless in five league matches. They remain fourth on 37 points, while Bournemouth sit seventh with 34 points. West Ham United edged past Fulham in a thrilling 3-2 victory on Tuesday, marking a winning start for new manager Graham Potter in his Premier League debut with the Hammers. Despite being outplayed for much of the first half, West Ham struck twice in quick succession to turn the tide. Carlos Soler opened the scoring, and Tomas Soucek doubled the lead just two minutes later, leaving the visitors

Hours after shock PSL retirement, Pakistan pacer Ihsanullah makes U-turn

New Delhi . Hours after announcing his shock retirement from the Pakistan Super League (PSL), pacer Ihsanullah decided to reverse his decision. The 22-year-old claim that he had made the call in the heat of the moment and apologised for his actions. Ihsanullah officially announced his retirement from the PSL following his omission from the season 10 draft. The 22-year-old expressed frustration over the lack of recognition despite his consistent performances, leading to his decision to step away from Pakistan's premier T20 competition. Speaking in a candid interview with Public News, Ihsanullah shared his disappointment at being overlooked during the draft held on January 13. He clarified that his decision was not made in the heat of the moment but was a well-considered choice after thoroughly reflecting on the situation.

The pacer also claimed that he would make the doubters 'chase him' by bowling at a



pace of 150-160 km/h. However, as quoted by ARY News, Ihsanullah has gone back on his statements and said he made the retirement call purely on emotions. The 22year-old also said that his friends and family messed with his head."There's no plan for retirement, I announced the decision yesterday in emotions"

"When I wasn't picked in the PSL draft, my friends & family also messed with my head and I announced retirement in the heat of the moment". Ihsanullah also vowed to work hard and make a comeback in domestic cricket to ensure he would have buyers next time around and also apologised to the Multan Sultans for his statement.

Ihsanullah, who made a name for himself with an impressive 22 wickets at an economy rate of 7.59 during PSL 8 for Multan Sultans, quickly caught the attention of selectors and earned a spot in Pakistan's T20I squad. He made his international debut against Afghanistan in

March 2023 and later featured in a series against New Zealand. Ihsanullah also earned his maiden ODI cap during the same series. However, his promising rise was abruptly derailed by an elbow injury, which led to significant controversy over the handling of his recovery. An independent investigation into the matter resulted in the resignation of Pakistan's chief medical officer, further highlighting the mishandling

Australian Open: Aryna Sabalenka survives 2nd set scare to beat Jessica Bouzas

New Delhi . Defending Champion and World No.1 Aryna Sabalenka was able to survive a major second set scare against Spain's Jessica Bouzas Maneiro to progress to the third round of the Australian Open 2025 on Wednesday, January 15. Sabalenka was able to win the match 6-3, 7-5 to win her second round match after finding herself in a lot of trouble in the second set of the match. Bouzas, a star on the rise in tennis, made the World No.1 sweat as she was leading in the second set 4-1 and 5-2 at one point before the Belarussian made a stunning comeback to win the match. Sabalenka didn't have the best of times in the first match against Sloanne Stephens as she was forced to fight hard in the first set before winning the match. A similar sort of script unfolded in the game on Wednesday.



Aakash Chopra questions India's T20 World Cup hero's absence in England series

the absence of India all-rounder Shivam Dube from the squad for the upcoming T20I series against England. Dube last played for

India in the T20I series on the tour to Sri Lanka in July 2024. He was further picked for the following series against Bangladesh but didn't feature in the playing XI. However, he was dropped from the team for the subsequent four-match T20I series in South Africa due to injury. Recently, Aakash Chopra spoke about Dube's sudden mysterious absence from T20Is despite him being a part of India's T20 World Cup 2024 winning squad."What

happened to Shivam Dube? I wanted to talk about Ruturaj (Gaikwad) as well but he is not able to make his place. Rajat Patidar is

aware of where she stands at the moment. New Delhi.Former India cricketer turned also there. Obviously, there is a lot of fours and a six. little bit on Shivam Dube. He was a member of the T20 World Cup-winning team," Chopra said on his Youtube Channel.



Furthermore, Chopra mentioned Dube's valuable contribution in the final of the tournament where the southpaw scored a quick-fire 27 off 16 balls, smashing three

Dube's remarkable performance in Syed Mushtaq Ali Trophy 2024-25

"When you win, everyone should get the credit. He even played decently in the final.

Before that, there were definitely some questions that he wasn't fielding or batting well. However, then he played well and became the T20 World Cup champion," Chopra added.

Dube recently had a good season for Mumbai in the Syed Mushtaq Ali Trophy 2024-25, scoring 151 runs from five innings at an average of 75.50 and a stunning strike rate of 179.76 with a highest score of 71 not out off 37 balls vs Services. In his T20I career so far, Dube has scored 448 runs from 24 innings at an average of 29.86 with three fifties to his name. With the ball, he's scalped

11 wickets in 23 innings. It remains to be seen when does he get the opportunity to don India's T20I jersey again.

Sabalenka started the game by breaking the young Spaniard's serve and took a 2-0 lead. However, Bouzas would bounce back by breaking the World No.1's serve to cut the deficit. The chaos would continue as the duo would trade breaks once again as Sabalenka was left frustrated, despite leading the set 3-2. However, the World No.1 snapped back into

form, putting her service woes behind her and fired off three winning games to take the first set. The Spaniard was, however, on the top of her game in the second set with confidence on the baseline coming to her aid.

Errors started to creep into the game of Sabalenka, who found herself trailing 2-5 and on the verge of losing the second one. However, the World No.1 would dig deep and broke Bouzas to make the game 5-5. The Spaniard would have 2 double faults to allow Sabalenka to take the lead in the contest and serve for the match. Despite having 2 match points, Sabalenka was given a bit more trouble by Bouzas, who would make it deuce and hold the chance of forcing it into a tiebreaker. However, the World No.1 was able to hold on and extend her winning streak in Melbourne to 16 matches. Sabalenka will now face Clara Tauson in the next round.

Australian Open: Olympic champion Zheng stunned, Mirra Andreeva survives scare

New Delhi. The Olympic champion and last year's runner-up at the Australian Open, Zheng Qinwen, was dumped out of the competition, while Mirra Andreeva survived a major scare against Japan's Moyuka Uchijima to win the match in 3 sets. Zheng was defeated 7-6, 6-3 by Laura Siegemund in what was a frustrating day for the Chinese star on Wednesday. The Olympic champion was looking to emulate her compatriot Li Na's run during the 2014 edition and win the tournament.Zheng faced early pressure, narrowly saving a break point in the third game with the help of her powerful serve. However, Siegemund, the oldest player in the women's draw, showed no signs of intimidation, matching Zheng from the baseline and disrupting her rhythm. Despite Zheng's reputation for her Serving for the set, The German faltered as her strong serve, Siegemund excelled in her returns, hitting 11 winners off the return in



the opening set. At 4-4, the German created two break-point opportunities after Zheng received a time violation. Although Zheng saved the first, an unforced error on the second handed Siegemund the break.

footwork deserted her, allowing Zheng to break back comfortably. The set headed into

a tiebreak, where Siegemund capitalised on two mini-breaks to lead 6-3 and clinched the set on her first opportunity. Riding on the momentum, Siegemund broke Zheng's serve early in the second set to take a commanding 2-0 lead. Zheng, appearing sluggish, managed to level the score after benefitting from two moments of good fortune—a net cord winner and a miraculous return that skimmed the sideline after traveling around the post. However, Zheng's composure unravelled after a second time violation in the next game cost her a first serve at 15-30. Frustrated, the Olympic champion argued with the umpire about her inability to see the shot clock, but her protests were dismissed. The incident left her visibly rattled, and she double-faulted on break point, gifting Siegemund a 3-1 lead.Zheng's struggles continued as a string of unforced errors

handed Siegemund a 4-1 advantage. The German maintained her focus and served out the match, securing a memorable victory. Siegemund now advances to the third round, where she will face the winner of the all-Russian matchup between Anastasia Pavlyuchenkova and Anastasia Potapova.

Andreeva survives Uchijima test

The 14th seed Andreeva was forced to dig deep into her arsenal by Uchijima as she won the match 6-4, 3-6, 7-6 to reach the third round. The 17-year-old had won the first set but found herself in all sorts of triouble in the rest of the game.

The Russian dropped the second set to the Japanese star and found herself almost exiting the competition. Uchijima, who was serving for the match in the third set with a 5-4 score, was unable to hold on to her advantage and allowed Andreeva to force a

Sidharth Malhotra Flies Out Of

Mumbai With Kiara Advani Ahead Of His 40th Birthday



idharth Malhotra is all set to celebrate his 40th birthday on January 16. Looks like the Shershaah actor and his wife Kiara Advani have jetted off for a vacay ahead of his special day. The couple made a stylish appearance at the Mumbai airport on Tuesday morning, and as usual, shelled out major couple goals as they walked handin-hand.Sidharth Malhotra and Kiara Advani were spotted at the Mumbai airport by the paparazzi. They looked uber-chic as they got out of the car, and headed towards the airport. The Kabir Singh actress looked gorgeous in a grey V-neck sweater paired with white pants. She left her hair open, and accessorized her stylish look with dark sunglasses and a red handbag. Meanwhile, Sidharth Malhotra looked dapper in a black tee layered with a matching jacket and jeans. He also donned dark sunglasses. Kiara and Sidharth held hands and politely smiled for paparazzi pictures, before making their way inside the airport. Check out the video below!

Soon after the video surfaced, fans gushed over the lovely couple. While one Instagram user commented, "The og couple," another one wrote, "Aww cutest." Sidharth Malhotra and Kiara Advani tied the knot on 7th February, 2023, in a traditional Hindu wedding ceremony in Jaisalmer, Rajasthan. The couple never fails to shell out major couple goals. In December, they melted hearts on social media when they shared a cosy Christmas photo. In the picture, the couple can be seen giving a warm hug, while standing in front of a beautifully decorated Christmas tree. Taking to Instagram, the couple wrote, "Merry Christmas from us to you."

On the professional front, Kiara Advani was recently seen in 'Game Changer', starring Ram Charan. Next up, she has Farhan Akhtar's 'Don 3' in which she will be seen opposite Ranveer Singh. If reports are to be believed, she will also be seen opposite Yash in his next film 'Toxic'. Meanwhile, she will also reportedly be entering the Maddock Films supernatural universe with the film 'Shakti

Aamir Khan's Daughter Ira Khan On Her Bond With Brother Junaid: 'We Fought Every Single Day Until...'



hile Aamir Khan's son Junaid Khan stepped foot into Bollywood with Maharaj last year, his daughter Ira Khan has no plans to foray into the film industry. In a recent chat, Ira opened up about her relationship with her brother Junaid Khan, who will soon make his big-screen debut with the film Loveyapa. Junaid is 5 years older than Ira, and the latter said that they both fought a lot until he finished school. Post that, their sibling bond evolved, and they actually became very close. Speaking with People Of India about her bond with Junaid Khan, Ira said, "I don't know whether this happens with all siblings but either I wanted to be exactly like him in some aspects, while in some aspects I had to be exactly the opposite. He liked Manchester United. So I had to not like Manchester United." She further added, "We fought every single day till he finished school. When he went to college, he got a life, so he stopped troubling me and then we actually became very close. So it was a very big shift but it was a fun

When asked about her relationship with her father Aamir Khan, and whether she knew about his celebrity status since childhood, she said, "I probably didn't fully understand it. But I have known, since I could remember, that he is a celebrity." She also mentioned that students in her school were also aware. "I don't think anyone judged me, but yeah, people wanted to be friends with me because they were excited about who my dad was. But I dont think anyone necessarily thought bad of me. At least not to my face.""With all parents, until you're a certain age, you don't see them as people. You see them as your parents. And in that sense, it was the same. He would travel and be on shoot, and I lived with my mom. But he would always check if anyone in school was troubling me or if everything was fine. We played a lot of board games and we were very competitive. All three of us-Junaid, dad and me. During Covid, we spent a ot of time together," she continued. Meanwhile, Ira Khan has been showing her support for her brother Junaid Khan's upcoming film 'Loveyapa' with Khushi Kapoor. Just yesterday, she shared a video of team Loveyapa's fun, goofy reel which shows Junaid, Khushi and others singing and swaying to the title track of the film. Ira Khan was amazed to see her brother Junaid Khan's fun, lively and playful side.

Seema Kiran Sajdeh Gives A Special Shout To Malaika Arora

'Scarlet House, Take A Bow'

ollywood BFFs Seema Kirah Sajdeh and Malaika Arora recently enjoyed quality time with one another At Scarlett House Bombay. And their families had also joined them. From posing with their close ones to indulging in some scrumptious meals, the evening was completely filled with love and laughter. Seema posted a couple of pictures on her Instagram handle to update her fans about the beautiful evening. In the opening frame of Seema Kiran Sajdeh's carousel, she was seen posing for a group picture with her best friends, Malaika Arora and her sister, Amrita Arora. Seema's son, Nirvan Khan, Malaika Arora's son, Arhaan Khan, and Amrita Arora's husband, Shakeel Ladak, also joined the frame captured on a lovely spot in the Mumbai restaurant. In the following slide, Seema was seen descending the stairs, followed by the other glimpses, giving a sneak peek into the guests joining them. The Fabulous Lives of Bollywood Wives fame's pictures also featured Abedin Sham, a co-founder of Abode Bombay, a boutique hotel in Mumbai, Richa Sajdeh and her husband, Bunty Sajdeh, the Managing Director and CEO of Dharma Cornerstone Agency. A few of the pictures also showed the delicious snacks all the pals savoured over

there. One slide showed a plate filled with rice on one side and what appeared to be delicious prawn curry. A glass of some drink was also kept near the platter. Following this, we can spot an assortment of some lovely dishes in another frame. From tarts, pasta and khichdi to many other dishes, the picture screamed deliciousness in all

Seema also posed for some fun selfies with Malaika, Amrita, and their close ones. And in the last picture she was seen pouting towards Amrita, showing

her love towards her BFFs. Sharing the bunch of photos and videos, Seema gave a shoutout to the restaurant and wrote, "Scarlet house take a bow." She further hashtagged the post with words like "what a vibe", "great food," "smashing in", "new spot", "absolutely fabulous", "bandra", "must visit", "some of my fav peeps"

Soon after Seema dropped the post, Malaika commented, "Thank u @seemakiransajdeh love u."

Meanwhile, Amrita mentioned her love towards her and penned, "Seemus," followed by red hearts. Many social media users also showered love on them. One user added, "Seema's son can definitely make it in Bollywood. Looks great," while another stated, "Wow looks amazing!" One more comment can be read as "Food looks delic." "Wow beautiful pics," another comment read while someone said, "Bhai ki family h. "For the hangout, Seema stunned in a white top teamed with denim pants and a pair of white sneakers. Malaika wore a white crop top with black shorts and heels. While Arhaan sported a white shirt with matching pants, Nirvaan picked a black T-shirt with matching pants and white sneakers. Seema and Malaika's wonderful bond is evident in the recent joyful moments featuring their sons and respective families. For those unaware, the duo were previously married to the Khan family. While Malaika was married to Arbaaz Khan, Seema was married to Sohail Khan.

Rupali Ganguly

Opens Up On Being Considered A 'Failure' In Film Industry: 'Casting Couch Existed...'

upali Ganguly has opened up about facing the casting couch in the film industry. In a recent interview, the Anupamaa actress mentioned that she was considered a 'failure' in films because it was her conscious decision to step away from Bollywood."I didn't do well in films, and that was a choice I made because predominantly casting couch existed in the industry at that point of time. Maybe some people didn't come across it, but people like me did, and I decided not to make that choice. So, you are considered a failure because you come from a film family," she said, as quoted by Pinkvilla. The actress further expressed her gratitude

towards Rajan Shahi and talked about how the television show Anupamaa changed her life. "I did feel small back then, but thanks to Anupamaa, I feel very proud. The show gave me the stature that I always dreamt of. It has been a lifechanging experience," she added.

Rupali Ganguly's Anupamaa is one of the top television shows today, which has been ruling the TRP charts for years now. However, a report recently claimed that the actress is likely to quit Rajan Shahi's show. Later, Rupali also broke silence on the report and called it baseless.In an emotional message, Rupali Ganguly

expressed her deep connection with Anupamaa and said, "Wow, people really have some overactive imagination. But thank you for talking about me and talking about the show. What can I say? Every person has a core, and my core, I believe, is gratitude. My husband and I both believe that whatever Rajan Ji has given me-the recognition, the platform, the position — I will never be able to repay it in this lifetime. And Anupamaa is not just a show for me; it's an emotion, it's my home, my second home, all my fur babies are



here, and the unit has become like a family."

'So, does anyone leave their family, their home? And God forbid, may it never happen in life. If Rajan Ji ever says that he doesn't need me anymore, then I might fight with him, or argue, and say, 'Please let me stay in Anupamaa.' I opened the gate for this show, and I will remain part of this show till the end. Even if I have to face obstacles, I will not leave," she added.

